www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 159 || लखनऊ
गुरुवार
10 सितम्बर 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:49
सूर्यास्तः 06:16
अधिकतमः 33:00
न्यूनतमः 26:00

पेज 07
विशेष समाचार तकनीक, पारदर्शिता और... >>पेज 04 | आगरा नगर निगम ऑफिस में ... >>पेज 06 | बेटी दुआ के बर्थडे पर दीपिका रणवीर ने ...

10,783 करोड़ से 5 राज्यों में 656 किमी नई रेल लाइनें बिछेंगी, 56 लाख लोगों को फायदा

रेलवे के 3 मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को मिली मंजूरी

> सरकार के अनुमान के अनुसार, इन परियोजनाओं से हर साल करीब 12 करोड़ लीटर तेल की बचत हो सकती है। इसके अलावा 62 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कम होने का अनुमान है।

बैठक

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को कैबिनेट मीटिंग हुई। इसमें रेलवे के तीन मल्टी ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई। इन परियोज-नाओं पर कुल 10,783 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इन प्रोजेक्ट्स के तहत पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 14 जिलों में करीब 656km रेल लाइनें बढ़ाई जाएंगी। इससे करीब 4,790 गांवों के 56 लाख लोगों को बेहतर रेल कनेक्टिविटी मिलने की उम्मीद है। खड़गपुर-झारसुगुड़ा रेल सेक्शन के बीच चौथी लाइन का निर्माण शामिल है। इसके अलावा कटनी-पेंड्रा रोड सेक्शन में भी चौथी लाइन बनाई जाएगी।

>> (शेष पेज 06 पर)

तेल आयात और कार्बन उत्सर्जन घटेगा

सरकार ने रेलवे को पर्यावरण के लिहाज से बेहतर और ऊर्जा-कुशल परिवहन माध्यम बताया है। नई रेल लाइनों से माल और यात्रियों के परिवहन में रेलवे की हिस्सेदारी बढ़ाने में मदद मिलेगी। सरकार के अनुमान के अनुसार, इन परियोजनाओं से हर साल करीब 12 करोड़ लीटर तेल की बचत हो सकती है। इसके अलावा 62 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कम होने का अनुमान है।

बेटी की सुरक्षा में सेंध लगाई तो जहन्नुम जाओगे, जल्द 50 हजार बेटियों को स्कूटी देंगे

हम उनमें से नहीं, जो माफिया के सामने गिड़गिड़ाएं : योगी

हुंकार

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। सीएम योगी बुधवार को वाराणसी में थे। यहां उन्होंने पहले की सपा सरकार पर जमकर हमला बोला। कहा- घर से बाहर कैसे निकलें, 9 साल पहले यह सवाल था। कहां तक जाना है, आज यह सवाल है। पहले घर से बाहर निकलने में बेटियां डरती थीं, आज ऐसी कोई चिंता नहीं। हमने कह दिया है कि बेटी की सुरक्षा में सेंध लगाई तो दो ही जगह होगी- जेल या जहन्नुम। हम उन लोगों में नहीं हैं कि वोटबैंक के लिए किसी माफिया के सामने गिड़गिड़ाएं। योगी पिंडरा में "कामकाजी महिला सम्मान समारोह" में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि बहुत सारे लोग आएंगे जो बात करेंगे, नई घोषणाएं करेंगे, जाति के नाम पर बांटेंगे। लेकिन, जब किसी दुर्दांत माफिया पर कार्रवाई की बात आएगी, तो इनकी सिट्टी-पिट्टी गुम हो जाती है। ये सब मौन हो जाते हैं। उसके सामने गिड़गिड़ाते नजर आते हैं। इससे पहले योगी ने रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में राष्ट्रीय पोषण माह-2026 का शुभारंभ किया। इस मौके पर योगी ने कहा कि 2017 में जब मैं आया, तो मैंने पूछा कि आखिर आंगनवाड़ी केंद्रों की इतनी खराब स्थिति क्यों है? शिकायतें क्यों आती हैं? तब पता चला कि आंगनवाड़ी केंद्रों पर जो पोषाहार जा रहा था, उसकी सप्लाई उत्तर प्रदेश का एक शराब माफिया करता था। मैं यह सुनकर भौचक्का रह गया। हमने पोषाहार की गुणवत्ता की जांच कराई, तो उस पर भी सवाल खड़े हुए। मैंने पूछा कि क्या वह हर महीने पोषाहार भेजता है? जवाब मिला- अरे नहीं साहब, वह तो तीन महीने में एक बार भेज दे तो भेज दे, नहीं तो सब भगवान भरोसे है। उन्होंने कहा कि पहले लाचारी दिखती थी। यह लाचारी उस समय के सिस्टम की वजह से थी। इससे पहले सीएम ने नवजात बच्चों का अन्नप्राशन कराया। बेटियों को गोद में उठाकर खीर खिलाई।

>> (शेष पेज 06 पर)

सीएम कार्यक्रम स्थल पर लगे स्टॉल पर पहुंचे। लगाए गए उत्पादों की जानकारी ली।

> सीएम ने कहा- आपके एक-दो धरना-प्रदर्शन में मैं भी गया था। तब आपके साथ अन्याय होता था। याद कीजिए आपका मानदेय कब बढ़ा था। हमने आपका मानदेय चार गुना बढ़ा दिया। स्वास्थ्य बीमा दिया। स्मार्टफोन आप सबको दिया गया है। कई योजनाओं को लागू किया गया है जिसमें बढ़िया काम करने वाली कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को इंसेंटिव भी मिलेगा। यह आपके परफार्मेंस पर निर्भर करता है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से सीएम ने पूछा- कुषोषित बच्चों के लिए क्या प्रयास किया?

सीएम आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के काउंटर पर भी पहुंचे। उनके कामकाज के बारे में पूछा। साथ ही स्वयं सहायता समूहों और एनजीओ के साथ मिलकर तैयार किए गए उत्पादों के बारे में भी जानकारी ली। सीएम ने ओडिशा, गुजरात, तमिलनाडु और गोरखपुर की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से संवाद किया। गोरखपुर की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संध्या से सीएम ने पूछा- केंद्र पर आने वाले अति कुपोषित बच्चों को सामान्य श्रेणी में लाने के लिए आपने क्या प्रयास किए?

शराब माफिया करता था आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषण सामग्री की सप्लाई- योगी

सीएम योगी ने कहा कि 2017 में जब मैं आया तो मैंने पूछा कि आखिर आंगनबाड़ी केंद्रों की इतनी खराब स्थिति क्यों है? शिकायतें क्यों आती हैं? तब पता चला कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर जो पोषाहार जा रहा था, उसकी सप्लाई उत्तर प्रदेश का एक शराब माफिया करता था। मैं यह सुनकर भौचक्का रह गया। हमने पोषाहार की गुणवत्ता की जांच कराई तो उस पर भी सवाल खड़े हुए।

गाली आंगनबाड़ी की बहनें खाती थीं- योगी

योगी ने कहा कि गलती कोई और करता था, लेकिन गाली आंगनबाड़ी की बहनें खाती थीं। याद करिए, तब ज्यादातर आंगनबाड़ी केंद्र जर्जर हालत में थे और वहां गंदगी रहती थी। उत्तर प्रदेश में आंगनबाड़ी केंद्रों पर कोई व्यवस्था नहीं थी। समय पर पोषाहार भी उपलब्ध नहीं हो पाता था। उन्होंने कहा कि बच्चे आंगनबाड़ी केंद्रों में अपना टाट लेकर जाते थे। न पेयजल की व्यवस्था थी, न बच्चों के लिए टॉयलेट की और न ही हॉट मील की व्यवस्था थी।

दिल्ली में अवैध निर्माण वाली इमारतों पर बुलडोजर चलेगा

सीएम का निर्देश- सभी हॉस्टलों की जांच करें, पीजी ढहने के मामले में अब तक 5 अरेस्ट

निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के सत्य निकेतन में PG बिल्डिंग गिरने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अवैध निर्माण के खिलाफ एक्शन के निर्देश दिए हैं। सीएम ने MCD को अवैध PG हॉस्टलों की जांच के निर्देश भी दिए हैं। वरिष्ठ अधिकारी कार्रवाई के दौरान मौके पर मौजूद रहेंगे। वहीं, दिल्ली नगर निगम (MCD) ने PG बिल्डिंग के पास की इमारतों को गिराना शुरू कर दिया है। इन इमारतों में गर्ल्स PG था। लड़कियां PG खाली कर दूसरी जगह शिफ्ट हो रही हैं। मंगलवार तक 24 संपत्तियों पर तोड़फोड़ की कार्रवाई और 7 अवैध ढांचों को सील किया जा चुका था। सत्य निकेतन में 6 सितंबर को पांच मंजिला PG बिल्डिंग गिरने से 7 लोगों की मौत हुई थी। मामले में बुधवार तक 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली पुलिस ने PG हादसे में बुधवार को सुधांशु नाम के युवक को गिरफ्तार किया है।

>> (शेष पेज 06 पर)

ठेकेदार बोला- 10 दिन पहले रेनोवेशन के लिए लगाया था

पूछताछ में ठेकेदार सनोज ने बताया कि महेश गुप्ता ने उसे 10 दिन पहले रेनोवेशन के लिए लगाया था। उसे 2800 रुपये रोज मिलते थे। काम बेसमेंट को ग्राउंड फ्लोर के बराबर लेवल करने का था, जिसके लिए बेसमेंट में करीब 3 ट्रक मलबा भरा गया था।

अफसर ने सीएम-मंत्रियों की आवाज से करोड़ों ठगे

गुवाहाटी। असम में राज्य सिविल सर्विस के एक अफसर पर करोड़ों रुपए की ठगी के आरोप लगे हैं। आरोपी देवेश्वर बोरा धेमाजी जिला विकास अधिकारी (DDO) के पद पर हैं। शिकायत के मुताबिक, उन्होंने सरकारी ठेका, नौकरी और शराब की दुकान का लाइसेंस दिलाने के नाम पर लोगों से करोड़ों रुपए ठगे। CM विजिलेंस ने बोरा को मंगलवार को गिरफ्तार किया।

जांच में सामने आया है कि ठगी का सिलसिला साल 2011 से चल रहा था। जांच के दौरान CM हिमंत बिस्वा सरमा सहित कई बड़े नेताओं और मंत्रियों की आवाज की नकल कर लोगों को फोन करवाने की बात भी सामने आई है। विजिलेंस के अनुसार, बोरा ने एक व्यक्ति से 2 करोड़ और दूसरे से 50 लाख लिए।

फास्ट न्यूज

अब डिजिपिन से होगी हर लोकेशन की डिजिटल पहचान

नई दिल्ली। भारतीय डाक ने देश में जगहों की डिजिटल पहचान के लिए 'डिजिपिन' यानी डिजिटल पोस्टल इंडेक्स नंबर शुरू किया है। इसके तहत हर जगह को 10 अक्षरों और अंकों का एक खास कोड मिलेगा। इससे किसी जगह की पहचान मौजूदा 6 अंकों वाले पिन कोड से ज्यादा सटीक तरीके से की जा सकेगी।

भाई ने बहन की हथौड़े से हत्या की

अहमदाबाद। अहमदाबाद में 22 साल की सोफिया की हत्या के आरोप में पुलिस ने उसके पिता मोहम्मद फारूक और भाई मोहम्मद हाबिल को गिरफ्तार किया है। दोनों को शक था कि सोफिया का किसी युवक से रिश्ता था। पुलिस के मुताबिक, इसी शक में दोनों ने हत्या की साजिश रची। 12 अगस्त की रात सोफिया का शव सड़क पर मिला था। पास में बाइक पड़ी थी और उसका भाई घायल हालत में मिला।

भाई ने पुलिस को बताया कि अज्ञात वाहन ने बाइक को पीछे से टक्कर मारी, जिससे सोफिया की मौत हो गई।

कर्नाटक मंत्री सतीश जारकीहोली के ठिकानों पर ईडी रेड

बेंगलुरु। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने बुधवार को कर्नाटक के PWD मंत्री सतीश जारकीहोली, उनकी बेटी और सांसद प्रियंका जारकीहोली समेत कुछ अन्य लोगों से जुड़े 18 ठिकानों पर छापेमारी की। अधिकारियों के मुताबिक, ED विदेशों में अवैध तरीके से पैसे भेजे जाने से जुड़े लेनदेन की जांच कर रही है। एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है।

पीएम ने युवाओं को निराशा से निकाला : नितिन नवीन

उनके नेतृत्व में 25 करोड़ परिवार गरीबी से बाहर आए

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को कहा कि पीएम मोदी के सत्ता संभालने के समय देश में निराशा का माहौल था, लेकिन उनके नेतृत्व में युवाओं को इससे बाहर निकाला गया। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार के नेतृत्व में 25 करोड़ गरीब परिवार गरीबी से बाहर आए और भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी। भाजपा अध्यक्ष ने ये बातें बुधवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहीं। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस पीएम मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के तौर पर 25 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित की गई थी। मोदी 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के CM बने थे। वे 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री बने थे। नितिन नवीन ने बताया कि भाजपा प्रधानमंत्री के 25 साल के सार्वजनिक जीवन को लेकर एक महीने का 'सेवा संकल्प अभियान' चलाएगी। इसकी शुरुआत 17 सितंबर को PM मोदी के जन्मदिन से होगी। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर को 'सेवा दिवस' के रूप में मनाया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- क्या मौजूदा कानून के तहत केस चल सकता है?

मैरिटल रेप को अपराध बनाना संसद का काम है : सरकार

> याचिकाकर्ताओं का कहना है कि शादी किसी पति को पत्नी की इच्छा के खिलाफ जबरदस्ती करने की छूट नहीं देती। उनका कहना है कि अगर पति, पत्नी को गंभीर चोट पहुंचाता है, तो केवल पति-पत्नी का रिश्ता होने के कारण उसे कानून से बचने का अधिकार नहीं मिलना चाहिए।

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को मैरिटल रेप को अपराध घोषित करने की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई हुई। केंद्र सरकार ने कोर्ट में कहा कि मैरिटल रेप को अलग अपराध बनाना संसद और कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र का विषय है, सुप्रीम कोर्ट का नहीं। सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना बेंच ने कहा कि शादी का मतलब महिला की आजादी का खत्म होना नहीं है, लेकिन मौजूदा कानून के तहत क्या पति पर मैरिटल रेप में केस चल सकता है? मामले की अंतिम सुनवाई 3 हफ्ते बाद होगी। दरअसल, पूरा मामला पत्नी की इच्छा के खिलाफ पति के संबंध बनाने को रेप मानने को लेकर है। मौजूदा कानून के अनुसार, अगर पत्नी की उम्र 18 साल या उससे ज्यादा है, तो उसकी इच्छा के खिलाफ संबंध रेप नहीं माना जाएगा। इसे मैरिटल रेप की कानूनी छूट कहा जाता है। याचिकाकर्ताओं की मांग है कि शादीशुदा महिलाओं को भी जबरदस्ती संबंध के खिलाफ वही कानूनी सुरक्षा मिले, जो दूसरी महिलाओं को मिलती है। केंद्र सरकार मैरिटल रेप को अलग से अपराध बनाने के पक्ष में नहीं है। सरकार का कहना है कि ऐसा कानून बनाने से शादी और पति-पत्नी के रिश्ते पर बड़ा असर पड़ सकता है। सरकार का मानना है।

कोर्ट मुख्य रूप से इन दो सवालों पर फैसला करेगा

1. अगर मैरिटल रेप की मौजूदा छूट कानून में बनी रहती है, तो क्या पति पर बलात्कार का केस चल सकता है? क्या BNS में दी गई मैरिटल रेप की छूट संविधान के मुताबिक सही है?
2. कोर्ट यह भी देखेगा कि जिस काम को कानून ने रेप नहीं माना है, क्या अदालत अपने फैसले से उसे अपराध बना सकती है या इसके लिए संसद को कानून बदलना होगा।

जानकारी : कांग्रेस से 7 गुना ज्यादा, बंगाल, असम और पुडुचेरी में एनडीए जीती थी

5 राज्यों के चुनाव में भाजपा को ₹1,473 करोड़ चंदा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। इसी साल अप्रैल में हुए 5 राज्यों के विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा को करीब 1,472.8 करोड़ रुपए का चंदा मिला। यह रकम कांग्रेस की केंद्रीय और राज्य इकाइयों से मिले 207.17 करोड़ रुपए से 7 गुना ज्यादा है। चुनाव आयोग ने बुधवार को जानकारी दी। इन चुनावों में असम, केरलम, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी शामिल हैं। 4 मई को आए रिजल्ट में असम, बंगाल और पुडुचेरी में NDA की जीत हुई थी। वहीं, केरलम में INDIA और तमिलनाडु में TVK और कांग्रेस ने सरकार बनाई थी। वहीं, कांग्रेस केंद्रीय मुख्यालय और 5 राज्य इकाइयों के पास चुनावी अवधि की शुरुआत में करीब 169.06 करोड़ रुपए थे। इसमें 22.9 करोड़ रुपए नकद और 146.1 करोड़ रुपए बैंक खातों में थे। 6 मई तक कांग्रेस के पास करीब 103.2 करोड़ रुपए बचे। यानी चुनावी उसके फंड में 65.86 करोड़ रुपए की कमी आई। BJP ने असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में करीब 159.7 करोड़ रुपए खर्च किए। इसमें करीब 130.4 करोड़ रुपए सामान्य पार्टी प्रचार पर और बाकी रकम उम्मीदवारों व इससे जुड़े खर्च पर लगे। असम में BJP ने सबसे ज्यादा 96.27 करोड़ रुपए खर्च किए। इसमें 76.73 करोड़ रुपए सामान्य पार्टी प्रचार और 19.54 करोड़ रुपए उम्मीदवारों पर खर्च हुए। तमिलनाडु में BJP का कुल खर्च 51.56 करोड़ रुपए रहा। इसमें 44.51 करोड़ रुपए सामान्य प्रचार और 7.05 करोड़ रुपए उम्मीदवारों पर खर्च हुए। तमिलनाडु में मीडिया विज्ञापनों पर करीब 23.96 करोड़ रुपए, स्टार प्रचारकों की यात्रा पर करीब 10.04 करोड़ रुपए और प्रचार सामग्री पर करीब 5.85 करोड़ रुपए खर्च किए गए।

>> (शेष पेज 06 पर)

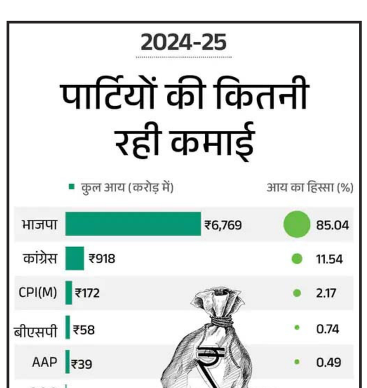

बीजेपी का बैलेंस 904.6 करोड़ रुपए बढ़ा

BJP के केरलम और पश्चिम बंगाल चुनावों के खर्च के बयान अभी सार्वजनिक नहीं हुए हैं। इसलिए पार्टी की कुल रिसीट इससे ज्यादा होने की संभावना है। इन दोनों राज्यों के पूरे आंकड़े कब सार्वजनिक होंगे, यह अभी पता नहीं है। चुनावी अवधि के दौरान BJP के केंद्रीय मुख्यालय का बैलेंस भी काफी बढ़ा। 15 मार्च को यह 6,722.6 करोड़ रुपए था, जो 6 मई को बढ़कर 7,627.2 करोड़ रुपए हो गया। यानी इस दौरान 904.6 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई।

शुभेंदु अधिकारी ने जादवपुर-यूनिवर्सिटी के पास भगवा सम्मान यात्रा निकाली

कहा- 'कश्मीर आजादी चाहता है' के नारे लगाने वालों को उखाड़ फेंकेंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता में बुधवार को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने जादवपुर यूनिवर्सिटी के पास 3 किलोमीटर लंबी 'भगवा सम्मान यात्रा' निकाली। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी कैंपस में 'कश्मीर आजादी चाहता है' जैसे नारे लगाने वाली ताकतों को उखाड़ फेंका जाएगा। यह मार्च दक्षिण कोलकाता के गोलपार्क से शुरू होकर जादवपुर यूनिवर्सिटी के बाहर 8B बस स्टैंड पर खत्म हुआ। इसमें बड़ी संख्या में साधु-संतों और सैकड़ों BJP समर्थकों ने हिस्सा लिया। पूरी यात्रा में 'जय श्रीराम' के नारे लगाए गए। अधिकारी भगवा कपड़े पहनकर और भगवा झंडा लेकर यात्रा में सबसे आगे रहे। एक BJP नेता ने कहा कि यह यात्रा "भगवा रंग की गरिमा बचाने" और उसे "बदनाम करने की कोशिशों" के विरोध में आयोजित की गई थी। यह मार्च ऐसे समय निकाला गया है, जब जादवपुर यूनिवर्सिटी में राजनीतिक और वैचारिक टकराव बढ़ा हुआ है। पिछले कुछ दिनों में वाम समर्थित छात्र संगठनों और RSS से जुड़े ABVP के बीच झड़पें, दीवारों पर लिखे नारे और नारेबाजी का विवाद तेज हुआ है। शुभेंदु अधिकारी ने मार्च से दो हफ्ते से भी कम समय पहले यूनिवर्सिटी के बाहर हुए एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया था।

>> (शेष पेज 06 पर)

विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के जरिए नशा मुक्ति को जन आंदोलन बनाएगी योगी सरकार

योगी सरकार का नशामुक्त युवा पर फोकस

कार्ययोजना

- हर कक्षा में नशा मुक्ति की शपथ, सप्ताह में एक दिन जागरूकता व्याख्यान, रचनात्मक गतिविधियों से अभियान से जुड़ेंगे विद्यार्थी
- विश्वविद्यालय से फैकल्टी स्तर तक नियुक्त होंगे नोडल अधिकारी, छात्रावासों की नियमित निगरानी और आकस्मिक निरीक्षण के निर्देश

हेमन्त कृष्ण

उच्च शिक्षण संस्थानों की हर कक्षा में गूंजेगा संकल्प

तमसा संकेत, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने और नशामुक्त जीवन को उनके संस्कार का हिस्सा बनाने की दिशा में उच्च शिक्षण संस्थानों को अभियान का प्रमुख केंद्र बनाने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नशामुक्त भारत के आह्वान को जन आंदोलन का स्वरूप देने और 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' के संकल्प को साकार करने के लिए विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में नशा मुक्ति अभियान को और प्रभावी ढंग से संचालित किया जाएगा। इसके तहत हर कक्षा में विद्यार्थियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाने से लेकर साप्ताहिक जागरूकता व्याख्यान, नोडल अधिकारियों की नियुक्ति, छात्रावासों की निगरानी और रचनात्मक गतिविधियों तक व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने मंगलवार को लखनऊ स्थित विधानसभा कार्यालय में नशा मुक्ति अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि योगी सरकार का लक्ष्य उच्च शिक्षण संस्थानों के माध्यम से ऐसी युवा पीढ़ी तैयार करना है, जिसके जीवन में नशा मुक्ति केवल एक अभियान नहीं, बल्कि संस्कार के रूप में विकसित हो। बैठक में प्रमुख सचिव, विशेष सचिव, निदेशक उच्च शिक्षा सहित विभागीय अधिकारी तथा राज्य एवं निजी विश्वविद्यालयों के कुलपति, कुलसचिव एवं अन्य अधिकारी वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए।

हर कक्षा में शपथ, हर सप्ताह नशा मुक्ति पर संवाद

योगी सरकार की इस मुहिम को विद्यार्थियों के दैनिक जीवन से जोड़ने के लिए उच्च शिक्षा मंत्री ने कक्षा शुरू होने से पहले नशा मुक्ति की संक्षिप्त शपथ दिलाने के निर्देश दिए। प्रतिदिन आधा से एक मिनट की शपथ के जरिए विद्यार्थियों के मन में नशे के प्रति नकारात्मक और स्वस्थ जीवन के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने का प्रयास होगा। इसके साथ प्रत्येक सप्ताह कम से कम एक बार शिक्षकों द्वारा नशे के दुष्प्रभाव और नशामुक्त जीवन के सकारात्मक प्रभावों पर संक्षिप्त व्याख्यान दिया जाएगा। इसके लिए सप्ताह का एक दिन निर्धारित किया जा सकता है। सरकार का प्रयास है कि नशा मुक्ति का संदेश किसी एक कार्यक्रम या दिवस तक सीमित न रहकर विद्यार्थियों के नियमित शैक्षणिक जीवन का हिस्सा बने।

एलयू में फावड़ा लेकर घुसे बजरंग दल के कार्यकर्ता

बोले- बुर्के में परीक्षाएं दे रही हैं छात्राएं, मजारे चमक रहीं

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को विश्व हिंदू परिषद (VHP) और बजरंग दल के कार्यकर्ता फावड़ा लेकर कैंपस में पहुंचे। जय श्रीराम के नारे लगाते हुए उन्होंने मंदिर की बदहाली के विरोध में हनुमान चालीसा का पाठ किया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि मंदिर की स्थिति सुधारने के लिए पहले विश्वविद्यालय प्रशासन को ज्ञापन दिया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। कार्यकर्ताओं का कहना है कि अब वे खुद मंदिर की सफाई और मरम्मत करने आए हैं। कहा कि कैंपस में कई मजारों की स्थिति अच्छी है, जबकि मंदिरों की हालत दयनीय है। कार्यकर्ताओं ने कैंपस स्थित शिवालय की सफाई की और पूजा-अर्चना की। इस दौरान चीफ प्रॉक्टर से उनकी नोकझोंक भी हुई। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। बजरंग दल कार्यकर्ताओं

ने कुलपति का पुतला फूंकने की बात कही है। कार्यकर्ताओं ने परीक्षा के दौरान बुर्का पहनकर आने वाली छात्राओं की पहचान जांच में सख्ती की मांग भी की। वहीं, प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्यों का कहना है कि कार्यकर्ताओं ने पूजा-अर्चना कर ली है। अब उन्हें कैंपस का माहौल खराब नहीं करना चाहिए।

प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे समरेंद्र सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में कई मजारें हैं, जिनकी व्यवस्था व्यवस्थित है, जबकि मंदिरों की स्थिति दयनीय है।

फास्ट न्यूज

प्रॉपर्टी डीलर के हत्यारे ड्राइवर की पुलिस रिमांड

लखनऊ। लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में एनजीओ संचालक व प्रॉपर्टी डीलर धीरेंद्र प्रताप सिंह के अपहरण के बाद हुई हत्या के मामले में मुख्य आरोपी और धीरेंद्र के ड्राइवर रवि किशन की पुलिस ने रिमांड लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान कई अहम जानकारियां दी हैं। करीब 12 घंटे तक चली पूछताछ में उसने हत्या की साजिश रचने वाले सूत्रधार, शूटरों और असलहा उपलब्ध कराने वाले लोगों के संबंध में पुलिस को जानकारी दी है।

फरक्का एक्सप्रेस से गिरकर 17 साल के लड़के की मौत

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ के बंथरा में हरौनी रेलवे स्टेशन के पास बुधवार सुबह करीब 8:30 बजे 17 साल के लड़के की फरक्का एक्सप्रेस ट्रेन से गिरकर मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, हादसे की सूचना करीब 9 बजे मिली। मृतक अंकुल के बड़े भाई रामराज ने बताया कि करीब 20 दिन पहले वह और अंकुल दिल्ली में नौकरी करने गए थे।

लामार्ट्स स्कूल के टीचर पर एफआईआर

लखनऊ। लखनऊ के लामार्ट्स बॉयज स्कूल के हिंदी शिक्षक नागेश शुक्ला के खिलाफ गौतमपल्ली थाने में POCSO एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक, स्कूल के एक छात्र के अभिभावक की लिखित शिकायत के आधार पर स्कूल प्रबंधन ने मामले की आंतरिक जांच कराई थी। जांच में शिकायत की पुष्टि होने के बाद स्कूल के प्रिंसिपल गैरी डोमिनिक एवरेट की ओर से 5 सितंबर 2026 को गौतमपल्ली थाने में POCSO एक्ट की धारा में मुकदमा हुआ है।

उत्कृष्ट कार्य करने वाली ग्राम पंचायतों को मिलेगा 50 लाख का पुरस्कार

- स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, महिला सहभागिता, जैविक कृषि और जनसेवाओं समेत 10 श्रेणियों में होगा चयन
- इच्छुक एवं पात्र ग्राम पंचायतें 15 से 30 सितम्बर तक ऑनलाइन कर सकेंगी आवेदन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । निदेशक पंचायतीराज अमित सिंह ने बताया कि प्रदेश में ग्राम पंचायतों के समग्र एवं सतत विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पंचायती राज विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा पहली बार 'मुख्यमंत्री विशेष पुरस्कार' की शुरुआत की गई है। ग्राम पंचायत में विकास की भावना के अनुरूप विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली 10 ग्राम पंचायतों को इस पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री पंचायत पुरस्कार योजना विगत 9 वर्षों से माननीय मुख्यमंत्री महोदय की प्राथमिकता की योजना रही है, जिसमे प्रत्येक जनपद से 5 अर्थात् प्रदेश की 375 ग्राम पंचायतों को पुरस्कृत किया जाता है। पुरस्कार के लिए ग्राम पंचायतों का चयन 10 विशेष श्रेणियों में किया जाएगा। इनमें घर-घर कचरा एकत्रित करने वाली ग्राम पंचायत, तरल अपशिष्ट प्रबंधन करने वाली ग्राम पंचायत, स्वयं की आय (OSR) सृजित करने वाली ग्राम पंचायत, प्लास्टिक मुक्त एवं प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन करने वाली ग्राम पंचायत, कॉमन सर्विस सेंटर (CSC) के माध्यम से सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने वाली ग्राम पंचायत, पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता संवर्धन करने वाली ग्राम पंचायत, 'मेरा तालाब मेरी योजना' में श्रेष्ठ कार्य करने वाली ग्राम पंचायत, महिला नेतृत्व एवं सहभागिता में उत्कृष्ट ग्राम पंचायत, आधार केंद्रों के माध्यम से सेवाएं प्रदान करने वाली ग्राम पंचायत तथा सर्वाधिक जैविक कृषि करने वाली ग्राम पंचायत शामिल हैं।

विनिर्माण इकाई का हुआ भूमिपूजन, 200 को प्रत्यक्ष और 1,500 से अधिक लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर

उन्नाव में 2,078 करोड़ से लगा क्राउन का प्लांट

- यूपी के औद्योगिक इकोसिस्टम पर बढ़ा वैश्विक कंपनियों का भरोसा
- प्रदेश ने पैकेजिंग और लॉजिस्टिक्स सेक्टर को मिलेगी नई रफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

योगी सरकार की एफडीआई नीति का असर

> क्राउन पैकेजिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का गठन मार्च 2026 में हुआ है। यह क्राउन होल्डिंग्स की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है और इसका पंजीकृत कार्यालय लखनऊ में है।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को देश का प्रमुख औद्योगिक एवं विनिर्माण केंद्र बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के सकारात्मक परिणाम अब धरातल पर दिखाई देने लगे हैं। प्रदेश की आकर्षक एफडीआई नीति-2023 के तहत वैश्विक पैकेजिंग कंपनी क्राउन होल्डिंग्स की भारतीय इकाई क्राउन पैकेजिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने उन्नाव स्थित इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर (आईएमएलसी) में अपने पहले ग्रीनफील्ड एल्युमिनियम बेवरेज कैन विनिर्माण संयंत्र का भूमिपूजन किया। करीब 2,078.44 करोड़ के निवेश से स्थापित होने वाला यह संयंत्र भारत में क्राउन होल्डिंग्स की पहली विनिर्माण इकाई होगी। लगभग 40 एकड़ क्षेत्र में बनने वाला अत्याधुनिक प्लांट देश के तेजी से बढ़ते पेय पदार्थ उद्योग की पैकेजिंग जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। परियोजना का मूल्यांकन उत्तर प्रदेश की एफडीआई, फॉर्च्यून ग्लोबल 500 एवं फॉर्च्यून इंडिया 500 कंपनियों के लिए निवेश प्रोत्साहन नीति-2023 के तहत किया गया है।

116 करोड़ कैन सालाना होगी शुरुआती क्षमता

करीब 40 एकड़ में प्रस्तावित संयंत्र की प्रारंभिक स्थापित क्षमता 116.2 करोड़ कैन प्रतिवर्ष होगी, जिसे आगे बढ़ाकर 178.6 करोड़ कैन प्रतिवर्ष तक किया जा सकेगा। पहले वर्ष में करीब 67 करोड़ कैन के उत्पादन का अनुमान है, जो नौवें-दसवें वर्ष तक बढ़कर लगभग 170 करोड़ कैन प्रतिवर्ष हो सकता है।

200 को प्रत्यक्ष और 1,500 से अधिक लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर

परियोजना से 200 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और 1,500 से अधिक लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। इसके अलावा लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग, परिवहन, रखरखाव और स्थानीय वेंडर नेटवर्क में भी रोजगार एवं कारोबार के नए अवसर पैदा होंगे। भूमिपूजन समारोह में औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने कहा कि प्रदेश में अब केवल औद्योगिक परियोजनाओं का पंजीकरण नहीं हो रहा, बल्कि उन्हें तेजी से धरातल पर उतारकर युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित किए जा रहे हैं। उन्नाव में क्राउन की परियोजना इसका उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यह निवेश उत्तर प्रदेश के मजबूत औद्योगिक इकोसिस्टम पर अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के विजन को साकार करने की दिशा में प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है।

चिकित्सकों की कमी दूर करने और सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ सेवाएं मजबूत करने को सरकार का बड़ा कदम

70 साल की आयु तक सेवाएं देंगे सेवानिवृत्त विशेषज्ञ डॉक्टर

- 500 निःसंवर्गीय पदों पर होगी विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती, नियमित भर्ती तक अनुभवी डॉक्टर संभालेंगे मोर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

योगी सरकार का बड़ा फैसला

लखनऊ। प्रदेश में चिकित्सकों, विशेषकर विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी को दूर करने और आमजन को बेहतर एवं समयबद्ध चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए योगी सरकार ने बड़ा जनहितकारी फैसला लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रादेशिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा (पीएमएचएस) संवर्ग के सेवानिवृत्त विशेषज्ञ चिकित्सकों के पुनर्नियोजन की अधिकतम आयु सीमा 65 वर्ष से बढ़ाकर 70 वर्ष किए जाने का निर्णय लिया है। सरकार के इस फैसले से प्रदेश के अस्पतालों में अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ेगी और बढ़ती जनसंख्या तथा अस्पतालों में मरीजों के बढ़ते दबाव के बीच चिकित्सा सेवाओं को मजबूती मिलेगी। विशेष रूप से गरीब और वंचित वर्ग को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में यह कदम महत्वपूर्ण साबित होगा। उप मुख्यमंत्री एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि प्रदेश में चिकित्सकों, विशेषकर विशेषज्ञ चिकित्सकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। अस्पतालों के बाह्य एवं अन्तः रोगी विभागों में लगातार बढ़ रही मरीजों की संख्या को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह निर्णय चिकित्सा सेवाओं की निरंतरता बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कन्सलटेन्ट के रूप में देंगे सेवाएं

पुनर्नियोजित विशेषज्ञ चिकित्सकों को कोई प्रशासनिक पद नहीं दिया जाएगा और न ही उन्हें संवर्गीय पदनाम मिलेगा। वे 'कन्सलटेन्ट' अथवा 'परामर्शी' के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। अस्पताल की आवश्यकता के अनुसार उन्हें आपातकालीन एवं आकस्मिक चिकित्सा सेवाओं में भी योगदान देना होगा।

500 निःसंवर्गीय पदों पर होगा पुनर्नियोजन

अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित कुमार घोष ने बताया कि विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 500 निःसंवर्गीय पदों के सापेक्ष पीएमएचएस संवर्ग के सेवानिवृत्त विशेषज्ञ चिकित्सकों का पुनर्नियोजन किया जाएगा। नियुक्ति वॉक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से अनुबंध के आधार पर होगी। पुनर्नियोजन नियमित चिकित्साधिकारियों से पद भरे जाने अथवा एक वर्ष की अवधि, जो भी पहले हो, तक किया जाएगा। इसके बाद कार्य एवं आचरण, गुण-दोष तथा स्वास्थ्य प्रमाणपत्र के आधार पर वर्ष-दर-वर्ष अवधि बढ़ाई जा सकेगी, लेकिन इसकी अधिकतम सीमा 70 वर्ष की आयु तक होगी। विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियमित नियुक्ति होने के बाद संबंधित निःसंवर्गीय पद स्वतः समाप्त हो जाएंगे। किसी भी स्थिति में पुनर्नियोजन के कुल पदों की संख्या 500 से अधिक नहीं होगी।

प्राइवेट प्रैक्टिस पर पूर्ण प्रतिबंध

पुनर्नियोजित विशेषज्ञ चिकित्सकों के लिए प्राइवेट प्रैक्टिस पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। अस्पताल में सरकारी नियमों के अंतर्गत उपलब्ध दवाओं की ही मरीजों के लिए संस्तुति की जा सकेगी। प्राइवेट प्रैक्टिस अथवा निर्धारित शर्तों के उल्लंघन की स्थिति में पुनर्नियोजन तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जा सकेगा।

योगी सरकार ने समाज कल्याण को दिया स्मार्ट टच

पढ़ाई से पेंशन तक एआई का सहारा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार उत्तर प्रदेश में जनकल्याणकारी योजनाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़कर सुशासन को नई गति दे रही है। इसी क्रम में समाज कल्याण विभाग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इस्तेमाल को बढ़ावा देने वाले अग्रणी विभागों में शामिल हो रहा है। विभाग ने शिक्षा क्षेत्र से इसकी शुरुआत की है और अब पेंशन, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ और छात्रवृत्ति जैसी योजनाओं में भी एआई के उपयोग की तैयारी की जा रही है। उद्देश्य है कि तकनीक के जरिए योजनाओं की निगरानी और लाभार्थियों से जुड़ी प्रक्रियाएं अधिक सरल, तेज और पारदर्शी बनें।

समाज कल्याण विभाग ने एआई आधारित तकनीकों की शुरुआत जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों से की है। स्मार्ट क्लास, डिजिटल सामग्री, 3डी वीडियो और एआई आधारित लैंग्वेज लर्निंग लैब के जरिए विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ा जा रहा है।

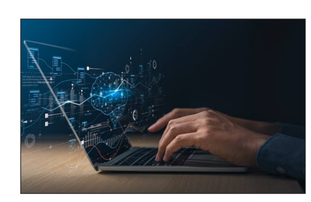

- सर्वोदय विद्यालयों में एआई आधारित स्मार्ट क्लास से विद्यार्थियों को मिल रही भविष्य की तकनीकी शिक्षा
- पेंशन और राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना में एआई से प्रमाण पत्र सत्यापन को तेज और आसान बनाने की तैयारी

निर्देश : पहले चरण में 75 जिलों में दो समूहों के तहत 17 सितंबर और 2 अक्टूबर को लगेंगे वितरण शिविर

75 जिलों में लगेंगे कृत्रिम अंग वितरण शिविर

- दिव्यांगजनों के कल्याण और सशक्तीकरण के लिए योगी सरकार की योजनाओं को मिल रहा चरणबद्ध विस्तार
- पात्र दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप उपलब्ध कराए जाएंगे सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग
- योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारियों को निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

दूसरे चरण में 20 अक्टूबर से 15 नवंबर और तीसरे चरण में 3 से 15 दिसंबर तक होंगे शिविर

लखनऊ। दिव्यांगजनों को अधिक सक्षम, आत्मनिर्भर और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए योगी सरकार लगातार कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा रही है। इसी क्रम में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में पात्र दिव्यांगजनों को विभिन्न प्रकार के गुणवत्तापूर्ण सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने के लिए चरणबद्ध तरीके से वितरण शिविर आयोजित किए जाएंगे।

> वितरण शिविरों के माध्यम से लाभार्थियों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग उपलब्ध कराकर उन्हें अधिक सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जाना है। प्रदेश सरकार द्वारा दिव्यांगजनों की दैनिक गतिविधियों को सुगम बनाना तथा उनकी गतिशीलता, कार्यक्षमता एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है।

पहले चरण में प्रदेश के सभी 75 जनपदों को दो समूहों में विभाजित किया गया है। 17 सितंबर को 41 जनपदों में तथा 2 अक्टूबर को 34 जनपदों में वितरण शिविर आयोजित होंगे। इसके बाद द्वितीय चरण 20 अक्टूबर से 15 नवंबर 2026 तथा तृतीय चरण 3 दिसंबर से 15 दिसंबर 2026 तक निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रदेश के सभी जनपदों में शिविर लगाए जाएंगे।

17 सितंबर को आगरा, अलीगढ़, एटा, अयोध्या, सुलतानपुर, आजमगढ़, बरेली, बदायूं, बांदा, देवरिया, कुशीनगर, गोंडा, झांसी, कानपुर नगर, उन्नाव, मेरठ, मुरादाबाद, सहारनपुर, जौनपुर, गोरखपुर, कन्नौज, प्रयागराज, शामली, वाराणसी, मिर्जापुर, गाजीपुर, सिद्धार्थनगर, श्रावस्ती, फतेहपुर, प्रतापगढ़, संतकबीर नगर, बिजनौर, इटावा, हापुड़, ललितपुर, मथुरा, रामपुर, सीतापुर, कौशाम्बी, हरदोई और बुलन्दशहर वितरण शिविर अयोजित किये जाएंगे।

विशेष शिक्षकों के लिए स्पेशल टीईटी परीक्षा का विज्ञापन जारी

टीईटी/सीटीईटी उत्तीर्ण नहीं करने वाले शिक्षकों को भी परीक्षा में शामिल होने का अवसर

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन के बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग ने विशेष शिक्षकों के लिए आयोजित की जाने वाली विशेष अध्यापक पात्रता परीक्षा (Special TET) को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। शासन के निर्देशों के क्रम में उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा Special TET का विज्ञापन प्रकाशित कर दिया गया है। यह परीक्षा प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर पर कार्यरत शिक्षकों एवं विशेष शिक्षकों (CWSN) के लिए आयोजित की जा रही है। परीक्षा में निर्धारित पात्रता पूरी करने वाले संबंधित विद्यालयों के शिक्षक शामिल हो सकेंगे।

अपर मुख्य सचिव बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया कि प्राथमिक स्तर पर उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित विद्यालय, स्थानीय निकाय एवं जिन विद्यालयों को राज्य सरकार/बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा समय-समय पर मान्यता/सम्बद्धता प्रदान की गई है, राज्य सरकार से सहायता प्राप्त विद्यालय तथा विशेष एजुकेटर्स प्राथमिक स्तर (कक्षा 1 से 5) के शिक्षक पात्र होंगे। इसी प्रकार उच्च प्राथमिक स्तर पर बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित विद्यालयों, स्थानीय निकाय एवं मान्यता/सम्बद्धता प्राप्त विद्यालयों, राज्य सरकार से सहायता प्राप्त विद्यालयों तथा विशेष एजुकेटर्स उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6 से 8) के शिक्षक पात्र होंगे।

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार Special TET के लिए विज्ञापन प्रकाशन की तिथि 3 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है। ऑनलाइन पंजीकरण/ओटीआर एवं आवेदन प्रक्रिया 5 सितंबर 2026 से शुरू हो गई है। ऑनलाइन आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 4 अक्टूबर 2026, जबकि ऑनलाइन आवेदन में संशोधन की अंतिम तिथि 8 अक्टूबर 2026 निर्धारित है। परीक्षा 3 नवंबर 2026 को आयोजित की जाएगी।

रायबरेली में अफसरों से पूछा- सरकार पैसे दे रही तो काम क्यों नहीं हो रहा?

राहुल गांधी ने मोबाइल पर मंत्री को टूटी सड़कें दिखाईं

बैठक

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रायबरेली में बुधवार को बैठक में कैबिनेट मंत्री मनोज पांडेय को अपने मोबाइल पर टूटी सड़कें दिखाईं। राहुल ने डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट कोऑर्डिनेटिंग कमेटी (दिशा) की मीटिंग में जर्जर सड़कों और गड्ढों की तस्वीरें दिखाकर PWD अधिकारियों और डीएम से पूछा कि सड़कों की हालत ऐसी क्यों है? राहुल ने कहा कि जब सरकार फंड दे रही है तो काम क्यों नहीं हो रहा है? आप लोग क्या कर रहे हैं? इस मीटिंग में ऊंचाहार से BJP

विधायक मनोज पांडेय, एमएलसी और राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह भी मौजूद थे। कलेक्ट्रेट में करीब ढाई घंटे बैठक से पहले राहुल ने सुबह जनता दरबार लगाया, जहां महिला कांग्रेस नेता ने उन्हें राखी बांधी। राहुल ने यहां सपा नेताओं ने भी मुलाकात की। कार्यक्रमों के बाद राहुल लखनऊ रवाना हो गए, जहां से वे दिल्ली जाएंगे। 2024 में सांसद बनने के बाद

- रायबरेली में सर्राफा कारोबारी के घर बैठक के दौरान राहुल ने बच्ची से हाथ मिलाया। महिलाओं ने उन्हें बुके दिया।
- रायबरेली में राहुल गांधी के जनता दरबार के दौरान भुएमऊ गेस्ट हाउस पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ी।
- रायबरेली में राहुल गांधी ने 3 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें बारात घर, ट्रांसफॉर्मर और सड़कें शामिल हैं।

राहुल का यह 8वां रायबरेली दौरा था। इससे पहले वे 19-20 मई को दो दिवसीय दौरे पर आए थे। राहुल मंगलवार दोपहर दिल्ली से एयर इंडिया की फ्लाइट से लखनऊ पहुंचे थे। पहली बार में विमान लैंड नहीं कर पाया था। 25 मिनट हवा में चक्कर लगाने के बाद दूसरे प्रयास में विमान ने लैंडिंग की थी। रायबरेली में सपा विधायक राहुल लोधी, श्याम सुंदर भारती ने दिशा की मीटिंग के दौरान हॉल के बाहर प्रदर्शन किया। हालांकि, राहुल के पहुंचने से पहले पुलिस ने उनसे पोस्टर और बैनर छीन लिए।

राहुल ने मंत्री के सामने दिखाए खराब सड़कों के वीडियो

दिशा बैठक के दौरान अपने मोबाइल में राहुल गांधी ने रायबरेली की सड़कों के गड्ढे दिखाए। इस दौरान कैबिनेट मंत्री मनोज पांडे भी वीडियो देखते रहे। राहुल गांधी ने PWD विभाग के अधिकारियों और डीएम से इन सड़कों की बदहाली को लेकर सवाल पूछा।

राहुल ने पूछा कि जिले की सड़कें इतनी खराब क्यों हैं? जब सरकार फंड दे रही है तो सड़कों पर काम क्यों नहीं हो रहा है।

भाजयुमो ने पीएम मोदी के जन्मदिन पर सेवा संकल्प लिया

बाराबंकी में जिला बैठक, काशी से वडनगर तक युवा यात्रा पर चर्चा हुई

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) ने बाराबंकी के पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में बुधवार दोपहर 2 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस और जिला बैठक की। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने के मौके पर चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' और आने वाले कार्यक्रमों पर चर्चा हुई। युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष अनुभव द्विवेदी, शिवेंद्र विक्रम शाही और बाराबंकी युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष रोहित सिंह समेत कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे। पदाधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राजनीतिक सफर एक सामान्य कार्यकर्ता के तौर पर शुरू हुआ था। आज वे देश का

नेतृत्व कर रहे हैं। 17 सितंबर को प्रधानमंत्री का जन्मदिन है। इसे देखते हुए युवा मोर्चा सेवा, संकल्प और युवाओं की भागीदारी पर केंद्रित कई कार्यक्रम कर रहा है। 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत भाजयुमो को 'कर्मभूमि से जन्मभूमि तक और जन्मभूमि से कर्मभूमि तक' विशेष युवा यात्रा की जिम्मेदारी मिली है। इसमें युवा काशी से वडनगर और वडनगर से काशी तक बाइक से यात्रा करेंगे। इस अभियान में उत्तर प्रदेश के करीब 45 जिलों के युवा शामिल होंगे। बड़ी संख्या में युवा प्रधानमंत्री की कर्मभूमि और जन्मभूमि से जुड़ी इस यात्रा का हिस्सा बनेंगे। यात्रा के दौरान युवा रोज करीब 100 किलोमीटर चलेंगे। बाराबंकी में भी 3 और 4 सितंबर को इस अभियान से जुड़े कार्यक्रम होंगे। भाजयुमो पदाधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का मकसद युवाओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संघर्ष, सेवा और संगठनात्मक यात्रा से परिचित कराना है। साथ ही, उन्हें राष्ट्रसेवा के संकल्प से जोड़ना भी है।जिला बैठक में आने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों और अभियान को ठीक से चलाने पर भी चर्चा हुई।

फास्ट न्यूज

कानपुर में गंगापुल पर चलती कार में आग

कानपुर। कानपुर से शुक्लागंज जाने वाले गंगापुल पर मंगलवार रात करीब एक बजे एक चलती कार में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते कार आग का गोला बन गई। कार में चार युवक सवार थे, जिन्होंने कूदकर अपनी जान बचाई। चालक की सूझबूझ से कार को किनारे लगाया गया और चारों युवक समय रहते बाहर निकल आए। कुछ ही मिनटों में कार पूरी तरह जलने लगी। प्रत्यक्षदर्शी अमित और दीपू ने बताया कि चारों युवक शुक्लागंज से कानपुर की तरफ जा रहे थे।

कंटेनर ने ई-रिक्शा चालक को रौंदा, मौत

हरदोई। हरदोई के देहात कोतवाली क्षेत्र में लखनऊ-पलिया राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोरिया गांव के पास बुधवार सुबह तेज रफ्तार कंटेनर ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। हादसे में ई-रिक्शा चालक की मौत हो गई। पुलिस घायल चालक को तत्काल मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंची, जहां डॉक्टर ने सुबह 7:36 बजे उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान अटवा-असिगांव निवासी 30 वर्षीय अमर सिंह के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक, अमर सिंह बुधवार सुबह करीब 6 बजे ई-रिक्शा लेकर शहर जा रहे थे। वह रोज शहर में सुबह से शाम तक ई-रिक्शा चलाने के बाद घर लौटते थे।

मवेशी लेकर खेत जा रही किशोरी पर हमला

हरदोई। हरदोई में देहात कोतवाली क्षेत्र के चितराई गांव में पांच सगे भाइयों पर मारपीट का मामला दर्ज किया गया है।

इन भाइयों ने जमीनी रंजिश के चलते एक किशोरी और उसके माता-पिता को लाठी-डंडों और लात-घूंसों से पीटा। तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और उनका इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। यह रिपोर्ट मंगलवार की रात 8:40 पर दर्ज की गई है।

11 सितंबर को देशव्यापी बैंक हड़तात

सुलह वार्ता बेनतीजा रही, 5-दिवसीय बैंकिंग सप्ताह की मांग पर अड़े कर्मचारी

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों ने 5-दिवसीय बैंकिंग सप्ताह लागू करने की अपनी पुरानी मांग को लेकर 11 सितंबर 2026 को राष्ट्रव्यापी हड़ताल बुलाई है। इस हड़ताल का रास्ता अब साफ हो गया है। मुख्य श्रम आयुक्त (केंद्रीय) के सामने दो दिन तक चली सुलह प्रक्रिया बेनतीजा खत्म हो गई। स्थानीय संयोजक राकेश पांडे ने बुधवार शाम 4:30 बजे यह जानकारी दी। सुलह वार्ता के दो दौर भी विफल रहे। 8 सितंबर को मुख्य श्रम आयुक्त के सामने सीधी बातचीत हुई थी, जो किसी नतीजे पर नहीं पहुंची। इसके बाद 9 सितंबर को ऑनलाइन माध्यम से दो दौर की बातचीत हुई। लगातार कोशिशों के बावजूद सरकार, वित्तीय सेवा विभाग या बैंक प्रबंधन की ओर से 5-दिवसीय बैंकिंग लागू करने पर

कोई ठोस फैसला नहीं आया। साथ ही, कोई निश्चित समय-सीमा भी तय नहीं की गई। अनुकूल आश्वासन न मिलने के कारण यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (UFBU) ने आंदोलन जारी रखने का फैसला किया है। हड़ताल की मुख्य मांग बैंकों में 5-दिवसीय कार्य सप्ताह को तुरंत लागू करना है। कर्मचारियों का कहना है कि यह मांग उनके काम-जीवन संतुलन, बेहतर मानवीय हालात और आधुनिक कार्य संस्कृति के लिए बहुत जरूरी है।UFBU जल्द ही एक विस्तृत सर्कुलर जारी करेगा।

बाराबंकी में जमीन विवाद में हुआ था हमला, सभी आरोपियों पर 48 हजार रुपए जुर्माना

24-साल बाद बुजुर्ग की हत्या में 6 दोषियों को उम्रकैद

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के मसौली थाना क्षेत्र के रोशनचक गांव में 24 साल पहले हुई हत्या के मामले में अदालत ने छह दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश अपर सत्र न्यायाधीश विनय आर्या ने मामले की सुनवाई के बाद यदुपाल, राजपाल, अखिलेश, रामू उर्फ अभिषेक, शिवराज और छन्नू उर्फ उदय प्रताप को दोषी माना। अदालत ने सभी दोषियों पर कुल 48 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, रोशनचक मजरे सुल्तानपुर निवासी संजय कुमार ने मसौली थाने में मुकदमा दर्ज

कराया था। उन्होंने पुलिस को बताया था कि 31 अक्टूबर 2002 की सुबह उनके दादा श्रीपाल और परिवार के अन्य सदस्य घर के बाहर दातून कर रहे थे। इसी दौरान जमीन के विवाद को लेकर कुछ लोग लाठी-डंडे और तमंचे लेकर वहां पहुंचे और परिवार के लोगों पर हमला कर दिया। हमले में श्रीपाल समेत परिवार के कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। सुखदेव और अरविंद को भी गंभीर चोटें आई थीं। श्रीपाल की हालत गंभीर होने के कारण इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मामले की जांच और सुनवाई के बाद अदालत ने छह आरोपियों को हत्या के मामले में दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई।

अभियोजन के अनुसार, 31 अक्टूबर 2002 की सुबह परिवार के लोग घर के बाहर मौजूद थे। इसी दौरान जमीन के विवाद को लेकर हमलावर वहां पहुंचे। आरोप है कि उनके पास लाठी-डंडे और तमंचे थे। उन्होंने परिवार के लोगों के साथ मारपीट शुरू कर दी। अचानक हुए हमले में कई लोग घायल हो गए।

सगे भाइयों समेत छह को अदालत ने माना दोषी

लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद विशेष न्यायाधीश अपर सत्र न्यायाधीश विनय आर्या ने मामले में फैसला सुनाया। अदालत ने सगे भाई यदुपाल और राजपाल के साथ अखिलेश, रामू उर्फ अभिषेक, शिवराज और छन्नू उर्फ उदय प्रताप को दोषी माना। सभी छह दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई। अदालत ने सभी पर 48 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। मामले से जुड़ी जानकारी के अनुसार, घटना के पीछे जमीन के विवाद के साथ पुरानी दुश्मनी की बात सामने आई थी। पीड़ितों में श्रीपाल के बेटे अरविंद कुमार भी शामिल थे, जिनकी उम्र अब करीब 50 वर्ष बताई गई है। आरोप है कि हमलावरों का घर अरविंद कुमार के घर से करीब 100 मीटर की दूरी पर था और वे उनके घर पहुंचकर लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से मारपीट करने लगे थे। अरविंद कुमार के तीन बेटे बताए गए हैं, जिनमें वीरेंद्र कुमार और जैविंद कुमार के नाम सामने आए हैं। तीसरे बेटे का नाम उपलब्ध जानकारी में नहीं है।

इलाज के दौरान श्रीपाल की हो गई थी मौत

हमले में श्रीपाल को गंभीर चोटें आई थीं। इसके अलावा सुखदेव और अरविंद भी घायल हुए थे। श्रीपाल को इलाज के लिए ले जाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। इसके बाद घटना को लेकर पुलिस में मुकदमा दर्ज कराया गया और मामला अदालत तक पहुंचा।

पत्नी से फोन पर गाली-गलौज, युवक ने खाया जहर

इलाज के दौरान दम तोड़ा, पत्नी पर भांजे से अफेयर का आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में पारिवारिक कलह और पत्नी के कथित अवैध संबंधों से परेशान होकर एक युवक ने जहर खाकर जान दे दी। मृतक की पहचान शहर के आशा नगर निवासी 30 साल के अमित अवस्थी उर्फ योगेश के रूप में हुई है। वह शहर में अखबार बांटने का काम करते थे। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। बुधवार की सुबह 9:18 पर उन्हें मृत घोषित किया गया। अमित मूल रूप से टड़ियावां थाना क्षेत्र के नया गांव के रहने वाले थे। उनकी शादी साल 2018 में सांडी के भगहर गांव की साधना से हुई थी। उनकी छोटी बहन प्रभा ने बताया कि शादी के बाद से ही दोनों के बीच अक्सर झगड़े होते रहते थे। उनकी कोई संतान भी नहीं थी। विवाद बढ़ने के कारण

साधना पिछले 8 महीनों से अपने मायके में रह रही थी। अमित की छोटी बहन प्रभा ने आरोप लगाया है कि उनकी भाभी साधना का अपने ही भांजे के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा है। प्रभा के मुताबिक, साधना इस समय अपने भांजे के साथ हरिद्वार में रह रही है। इसी कथित अवैध संबंध के कारण अमित लंबे समय से परेशान थे। मंगलवार की शाम अमित की फोन पर पत्नी साधना से किसी बात को लेकर तेज बहस हुई। यह बहस गाली-गलौज तक पहुंच गई। फोन पर हुई इस कहासुनी से अमित बहुत आहत हुए। दावा किया कि इस दौरान साधना ने अपने भांजे से भी गाली दिलवाई। मंगलवार रात करीब 10 बजे अमित ने अपने कमरे में जहर खा लिया। जब उनकी तबीयत बिगड़ी और उल्टी होने लगी, तो मां मीना और बहन प्रभा उन्हें तुरंत हरदोई मेडिकल कॉलेज ले गईं। अमित की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया। लेकिन, लखनऊ के अस्पताल में बेड नहीं मिला। इसके बाद परिजन उन्हें वापस हरदोई मेडिकल कॉलेज ले आए। बुधवार सुबह इलाज के दौरान अमित की मौत हो गई। शहर कोतवाल संजय त्यागी ने बताया कि शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

अटल पार्क का मंच गिराने का आरोप

5 लाख की लागत से बना था, नगर पंचायत ने शिकायत दर्ज कराई

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। मौरावां नगर पंचायत क्षेत्र में स्थित अटल पार्क के बीके ग्राउंड में बनाए गए मंच को कथित तौर पर जानबूझकर गिराए जाने का मामला सामने आया है। नगर पंचायत ने इसे सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला बताते हुए मौरावां थाने में शिकायत दी है। नगर पंचायत के अनुसार, मंच के निर्माण में करीब 5 लाख रुपये खर्च किए गए थे। मंच के क्षतिग्रस्त होने की जानकारी सामने आने के बाद नगर पंचायत प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए इसकी तकनीकी जांच कराई। जांच रिपोर्ट के आधार पर अब पुलिस से घटना की जांच कर दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। नगर पंचायत अध्यक्ष कुंवर विवेक सेठ के मुताबिक, अटल पार्क के बीके ग्राउंड में नगर पंचायत की ओर से मंच का निर्माण कराया

गया था। आरोप है कि कुछ लोगों ने साजिश के तहत सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से मंच को गिरा दिया। घटना की जानकारी सामने आने के बाद नगर पंचायत की ओर से अधिकारियों को पूरे मामले से अवगत कराया गया। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को भी घटना की जानकारी दी गई है, ताकि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जा सके। मंच के गिरने की वजह पता लगाने के लिए नगर पंचायत ने तकनीकी जांच कराई। नगर पंचायत के मुताबिक, PWD की ओर से की गई तकनीकी जांच में जेई ने मंच की RCC बीम को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। नगर पंचायत का दावा है कि जांच रिपोर्ट में यह संकेत मिला है कि RCC बीम अपने आप नहीं गिरी थी। रिपोर्ट के आधार पर मंच को बाहरी तरीके से नुकसान पहुंचाए जाने की आशंका जताई गई है। नगर पंचायत के अनुसार, तकनीकी जांच में यह बात सामने आई है कि मंच की RCC बीम को किसी मशीन की मदद से खींचकर गिराया गया था। इस आधार पर नगर पंचायत प्रशासन ने आशंका जताई है कि मंच को प्राकृतिक या तकनीकी कारणों से नुकसान नहीं पहुंचा, बल्कि इसे जानबूझकर गिराया गया। हालांकि, यह दावा तकनीकी जांच और नगर पंचायत की ओर से सामने रखी गई जानकारी पर आधारित है। घटना की वास्तविक वजह और इसमें शामिल लोगों की पहचान पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। तकनीकी जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद नगर पंचायत प्रशासन ने मौरावां थाने में शिकायत दी है।

नगर पंचायत की शिकायत मिलने के बाद मौरावां पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस मौके का निरीक्षण करने के साथ तकनीकी जांच रिपोर्ट और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों की जांच करेगी। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। नगर पंचायत का कहना है कि सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले जो भी लोग दोषी पाए जाएं, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए।

आयोजन : उन्नाव में 26 साल पुरानी परंपरा में शाल-स्मृतिचिह्न भेंट

अन्नू टंडन ने 95 सेवानिवृत्त शिक्षकों को किया सम्मानित

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय सचिव और पूर्व सांसद अन्नू टंडन ने बुधवार को सेवानिवृत्त शिक्षकों के सम्मान में समारोह आयोजित किया। शहर के विशाल कॉन्टिनेंटल में हुए इस कार्यक्रम में जिले के प्राथमिक, माध्यमिक और कॉलेज स्तर के करीब 95 सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित किया गया। शिक्षकों को शाल, स्मृतिचिह्न, पेन सेट और डायरी भेंट की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में लंबे समय तक सेवाएं देने वाले शिक्षकों के योगदान के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करना रहा। समारोह की शुरुआत डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन और मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ शिक्षक नेता कमलेश नाथ

अवस्थी ने की। इस दौरान बड़ी संख्या में शिक्षक, समाजसेवी, अधिवक्ता और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त शिक्षकों के लंबे शैक्षणिक योगदान को याद करते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। अन्नू टंडन ने कहा कि करीब 26 वर्ष पहले उन्होंने शिक्षकों को सम्मानित करने की परंपरा शुरू की थी। इसका उद्देश्य उन शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करना है, जिन्होंने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा नई पीढ़ी को शिक्षित करने में लगाया। उन्होंने कहा कि शिक्षक की भूमिका सिर्फ बच्चों को पढ़ाने तक सीमित नहीं होती। शिक्षक विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण के साथ-साथ समाज और देश के चरित्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

सभी शिक्षकों को सम्मानित करना संभव नहीं था, इसलिए सेवानिवृत्त शिक्षकों को चुना गया

अन्नू टंडन के मुताबिक जिले के सभी शिक्षकों को एक साथ सम्मानित करना संभव नहीं था। इसलिए सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों को सम्मानित करने की परंपरा शुरू की गई, ताकि लंबे समय तक शिक्षा के क्षेत्र में सेवा देने वाले लोगों के योगदान को सार्वजनिक रूप से सम्मान दिया जा सके। इस वर्ष करीब 95 सेवानिवृत्त शिक्षकों की सूची तैयार की गई थी। हालांकि, कुछ शिक्षक दूसरे जिलों में रहने के कारण कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके।

5 सितंबर को होने वाला सम्मान समारोह इस बार दूसरे कार्यक्रम के कारण आयोजित हुआ

अन्नू टंडन ने बताया कि शिक्षक सम्मान समारोह सामान्य तौर पर 5 सितंबर को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती यानी शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित किया जाता है। इस बार 5 सितंबर को अन्य कार्यक्रम होने के कारण सम्मान समारोह बुधवार को आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि बुधवार को अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस भी है। ऐसे में इस दिन शिक्षकों का सम्मान करना उनके लिए और भी विशेष है।

उन्नाव पुलिस ने 120 गुम मोबाइल बरामद किए

ऑपरेशन मुस्कान के तहत 25 लाख कीमत के फोन मालिकों को वापस सौंपे गए

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव पुलिस को गुम हुए मोबाइल फोन बरामद करने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान में सफलता मिली है। पुलिस ने भारत सरकार के दूरसंचार विभाग द्वारा विकसित CEIR पोर्टल का सही इस्तेमाल करते हुए अलग-अलग जगहों से 120 गुम मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इन बरामद मोबाइल की कीमत करीब 25 लाख रुपये बताई गई है। बुधवार को पुलिस ने ये मोबाइल उनके असली मालिकों को सौंप दिए। एसपी जयप्रकाश सिंह ने बुधवार दोपहर पुलिस लाइन में बताया कि अधिकारियों के निर्देश पर गुम मोबाइलों को पूरी तरह बरामद करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

सभी थानों पर टीम बनाई गई और गुम या मिसिंग मोबाइल से संबंधित शिकायतें CEIR पोर्टल पर अपलोड करने और उन्हें बरामद करने के निर्देश दिए गए थे। अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह और अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी शैलेंद्र लाल की देखरेख में सर्विलांस सेल और सभी थानों की संयुक्त टीम लगातार मोबाइल ढूंढ रही है। इसी अभियान के तहत CEIR पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के आधार पर 120 एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किए गए। ये मोबाइल अलग-अलग कंपनियों के हैं और इनकी कीमत करीब 25 लाख रुपये है। पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2026 में अगस्त तक 488 मोबाइल फोन बरामद किए जा चुके थे, जिनकी कीमत करीब एक करोड़ एक लाख 50 हजार रुपये थी। बुधवार को 120 और मोबाइल बरामद होने के बाद वर्ष 2026 में अब तक कुल 608 मोबाइल फोन बरामद किए जा चुके हैं। इनकी कुल कीमत करीब एक करोड़ 26 लाख 50 हजार रुपये है। पुलिस ने बताया कि बरामद किए गए सभी 120 मोबाइल उनके संबंधित मालिकों को सौंप दिए गए।

सम्पादकीय

राजमार्गों पर एंबुलेंस

यह राहतकारी है कि सड़क एवं परिवहन मंत्रालय राजमार्गों पर स्थित हर टोल प्लाजा पर एक एंबुलेंस तैनात करने की लंबे समय से प्रस्तावित अपनी योजना को अमल में लाने जा रहा है। इस योजना के तहत सड़क एवं परिवहन मंत्रालय राज्यों को एंबुलेंस उपलब्ध कराएगा। वह उनके संचालन का खर्च उठाएगा, लेकिन राज्यों को भी इन एंबुलेंस को हेल्पलाइन से जोड़ने का काम करना होगा।

इसमें राज्यों को कोई समस्या नहीं आनी चाहिए, लेकिन बात तब बनेगी, जब ये एंबुलेंस लगातार गश्त करेंगी और वे सूचना-संचार के सभी आधुनिक उपकरणों से भी लैस होंगी। इन एंबुलेंस की तत्परता की निगरानी करने की भी आवश्यकता होगी। यह भी सुनिश्चित करना होगा कि शहरों में राजमार्गों के किनारे या उनके निकट ऐसे ट्रामा सेंटर हों, जो घायलों का बिना किसी देरी के उपचार कर सकें।

स्पष्ट है कि इस योजना की सफलता बहुत कुछ राज्यों और विशेष रूप से उनकी पुलिस के सहयोग पर निर्भर करेगी। सड़क एवं परिवहन मंत्रालय को हर टोल प्लाजा पर एंबुलेंस तैनात करने की अपनी योजना को सही ढंग से क्रियान्वित करने के साथ ही राज्यों से मिलकर ऐसे उपाय भी करने होंगे, जिससे दुर्घटना की नौबत ही न आए या उन पर प्रभावी अंकुश लगे। ऐसे उपायों पर प्राथमिकता से ध्यान देना इसलिए अनिवार्य है, क्योंकि तमाम घोषणाओं और चिंताओं के बाद भी मार्ग दुर्घटनाओं एवं उनमें हताहत होने वालों की संख्या बढ़ती चली जा रही है। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि भारत में अन्य देशों के मुकाबले कहीं अधिक लोग मार्ग दुघटनाओं में अपनी जान गंवा रहे हैं। यह तब है, जब इन देशों की तुलना में भारत में वाहनों की संख्या कहीं कम है।

मार्ग दुर्घटनाओं का कारण उपयुक्त डिजाइन वाले राजमार्गों का निर्माण न किए जाने के साथ ही उनकी समुचित देखभाल भी न किया जाना है। एक समस्या यह है कि राजमार्गों पर कहीं भी कट बना दिए जाते हैं। इसी तरह यात्री वाहन कहीं पर भी सवारियां उतारने या बैठाने लग जाते हैं। अपने देश में राजमार्गों पर अतिक्रमण के साथ यातायात नियमों की अनदेखी भी आम है।

वास्तव में मार्ग दुर्घटनाओं पर लगाम तब लगेगी, जब सड़क एवं परिवहन मंत्रालय के साथ राज्य सरकारें भी सुरक्षित आवागमन को प्राथमिकता देंगी। इसी के साथ वाहन चालकों को भी जागरूक करना होगा। यह समझा जाना चाहिए कि लापरवाह वाहन चालकों को केवल मामूली जुर्माने के जरिये नियंत्रित करना कठिन है।

अच्छा हो कि सड़क एवं परिवहन मंत्रालय राज्य सरकारों के साथ मिलकर कोई ऐसा साझा तंत्र बनाए, जो राजमार्गों में आवागमन को सुरक्षित कर सके। राज्य सरकारों को इसकी भी फिक्र करनी होगी कि उसके अपने मार्गों पर भी दुर्घटनाएं थमें।

तकनीक, पारदर्शिता और ठोस कार्रवाई से बदलता प्रदेश का खनन क्षेत्र

> मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने खनन क्षेत्र को केवल राजस्व अर्जन के माध्यम के रूप में ही नहीं देखा, अपितु इसे सुशासन, रोजगार, विकास और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से जोड़कर एक व्यापक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाया है।

उत्तर प्रदेश प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से देश के प्रमुख राज्यों में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। प्रदेश की नदियों, भूगर्भीय संरचनाओं और विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध खनिज संपदा ने सदैव राज्य के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बालू, मोरम, गिट्टी और अन्य खनिजों का वैज्ञानिक एवं नियंत्रित दोहन जहां विकास कार्यों की आवश्यकताओं को पूरा करता है, वहीं इससे प्राप्त होने वाला राजस्व राज्य की अर्थव्यवस्था को भी सुदृढ़ बनाता है। प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग ने बीते वर्षों में खनन क्षेत्र को पारदर्शी, तकनीक आधारित, उत्तरदायी और पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

प्रदेश सरकार की स्पष्ट नीति रही है कि प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग विकास के लिए आवश्यक है, लेकिन उनका दोहन वैज्ञानिक, नियंत्रित और सतत होना चाहिए। इसी सोच के साथ उत्तर प्रदेश में खनन व्यवस्था में व्यापक सुधार किए गए हैं। खनन से प्राप्त राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि, अवैध खनन एवं परिवहन पर तकनीक के माध्यम से नियंत्रण, ऑनलाइन सेवाओं का विस्तार, ई-नीलामी, इंटीग्रेटेड माइन सर्विलांस सिस्टम, RFID एवं AI आधारित चेकपोस्ट तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए एम-सैंड नीति जैसे कदम उत्तर प्रदेश के खनन क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत के प्रतीक हैं। उत्तर प्रदेश में खनन क्षेत्र की प्रगति का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष राजस्व में हुई उल्लेखनीय वृद्धि है। वर्ष 2012 से 2017 के बीच जहां खनन से प्राप्त कुल राजस्व लगभग 4,700 करोड़ रुपये था, वहीं वर्ष 2017 से मार्च 2026 तक खनन से प्राप्त कुल राजस्व लगभग 30,524 करोड़ रुपये से अधिक हो गया। यह उपलब्धि खनन व्यवस्था में आए व्यापक सुधार, पारदर्शिता और प्रभावी प्रशासन का प्रमाण है। वर्ष 2017 से 2026 के बीच औसत राजस्व में लगभग साढ़े छह गुना की वृद्धि प्रदेश सरकार की प्रभावी नीतियों और तकनीक आधारित व्यवस्थाओं की सफलता को दर्शाती है।

यही कारण है कि खनन पट्टों के आवंटन से लेकर खनिजों के परिवहन तक की व्यवस्था को अधिकाधिक डिजिटल बनाया गया है। इससे जहां मानवीय हस्तक्षेप कम हुआ है, वहीं पारदर्शिता और जवाबदेही भी बढ़ी है।

गौरतलब है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 से अब तक प्रदेश में मुख्य खनिजों के 10 ब्लॉकों को कम्पोजिट लाइसेंस तथा 3 ब्लॉकों को खनन पट्टे पर सफलतापूर्वक आवंटित करते हुए आवश्यक कार्रवाई की गई है। खनिज क्षेत्रों के वैज्ञानिक सर्वेक्षण और नई संभावनाओं की खोज पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। प्रदेश में संचालित खनन पट्टों के समीपवर्ती क्षेत्रों तथा नए रिक्त क्षेत्रों का उन्नत तकनीक के माध्यम से अध्ययन कराया जा रहा है। निदेशालय की प्रयोगशालाओं में आधुनिक तकनीक और भू-वैज्ञानिक अध्ययन के आधार पर संभावित अवैध खनन क्षेत्रों तथा नए खनिज क्षेत्रों का चिन्हांकन किया जा रहा है। आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक विश्लेषण के माध्यम से प्रदेश में अब तक 66 संभावित अवैध खनन क्षेत्रों का चिन्हांकन किया गया है। इन क्षेत्रों के संबंध में संबंधित जिलाधिकारियों द्वारा नियमानुसार कार्रवाई भी सुनिश्चित की गई है, जिससे लगभग 2.19 करोड़ रुपये के राजस्व की प्राप्ति हुई है। यह व्यवस्था बताती है कि अब खनन विभाग केवल शिकायतों या पारंपरिक निरीक्षण पर निर्भर होने के बजाय तकनीक के माध्यम से संभावित अनियमितताओं की पहचान कर समयबद्ध कार्रवाई कर रहा है।

खनन से संबंधित सभी प्रमुख सेवाओं को एक ही छत के नीचे लाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने 'माइनमित्र पोर्टल' विकसित किया है। यह पोर्टल खनन क्षेत्र में डिजिटल क्रांति का एक जबरदस्त उदाहरण है। माइनमित्र पोर्टल के माध्यम से पट्टाधारकों, भंडारणकर्ताओं और आम नागरिकों को अनेक ऑनलाइन सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इससे खनन से जुड़ी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता आई है और लोगों को कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने से भी मुक्ति मिली है। 'ऑनलाइन खनिज प्रबंधन' व्यवस्था के अंतर्गत पट्टाधारकों एवं भंडारणकर्ताओं के लिए आवश्यक ई-फॉर्म, विभिन्न सेवाओं के लिए आवेदन तथा लीज धनराशि के ऑनलाइन भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। डिजिटल व्यवस्था के माध्यम से प्रक्रियाओं को सरल और समयबद्ध बनाया गया है। यह परिवर्तन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उस सुशासन की अवधारणा को साकार करता है, जिसमें सरकारी सेवाएं अधिकतम पारदर्शी और नागरिकों के लिए सुगम हों। माइनमित्र पोर्टल पर आम नागरिकों और किसानों के लिए भी अनेक महत्वपूर्ण ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। निजी भूमि, साधारण मिट्टी तथा भवन एवं विकास परियोजनाओं से निकलने वाले उपखनिजों के निस्तारण से संबंधित प्रक्रियाओं को ऑनलाइन किया गया है। भंडारण लाइसेंस, ऑनलाइन आवेदन, खनिज पट्टा संबंधी व्यवस्थाएं, खनिजों के फुटकर विक्रेताओं का पंजीकरण और किसानों के व्यक्तिगत उपयोग के लिए साधारण मिट्टी के खनन हेतु पंजीकरण जैसी सुविधाएं डिजिटल माध्यम से उपलब्ध कराई गई हैं। खनन योजना के अनुमोदन की प्रक्रिया भी अधिक सुगम बनाई गई है।

उदाहरणार्थ सितंबर 2021 से जुलाई 2026 तक माइनमित्र पोर्टल के माध्यम से 4,71,653 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 4,66,920 आवेदनों का निस्तारण किया गया। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म ने विभागीय कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के साथ-साथ जनता का विश्वास भी बढ़ाया है। पारदर्शी और ऑनलाइन व्यवस्था से भ्रष्टाचार एवं अनावश्यक मानवीय हस्तक्षेप की संभावनाओं में कमी आई है।

अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने 'इंटीग्रेटेड माइन सर्विलांस सिस्टम' यानी आईएमएस को अत्यंत प्रभावी माध्यम के रूप में विकसित किया है। इस व्यवस्था के अंतर्गत खनन क्षेत्रों की जियो-फेंसिंग की गई है। खनिजों का परिवहन करने वाले वाहनों पर RFID माइंस टैग लगाए गए हैं तथा प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर आधुनिक, मानव रहित, स्वचालित IoT और AI आधारित चेकपोस्ट स्थापित किए गए हैं।

मेरे परिवार का...

ललित गर्ग

विनोबा भावे के भुदान एवं सर्वोदय में सबका विकास संभव

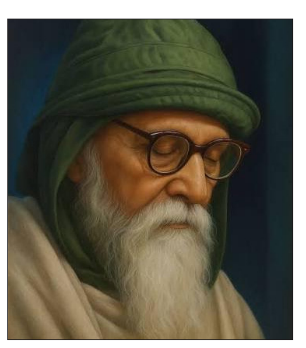

जब कोई राष्ट्र आर्थिक समृद्धि, तकनीकी प्रगति और वैश्विक प्रतिष्ठा की ओर बढ़ता है, तब उसके सामने एक बड़ा प्रश्न खड़ा होता है- क्या विकास केवल भौतिक उपलब्धियों का नाम है अथवा मनुष्य के भीतर नैतिकता, करुणा, सह-अस्तित्व और जिम्मेदारी का विकास भी उसका अनिवार्य हिस्सा है? आज भारत 'नया भारत', 'विकसित भारत' और 'समृद्ध भारत' के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में आचार्य विनोबा भावे का जीवन और चिंतन हमें याद दिलाता है कि राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत नींव मनुष्य का चरित्र है। 11 सितंबर को विनोबा भावे की जयंती है। उनका मूल नाम विनायक नरहरि भावे था। वे महात्मा गांधी के निकट सहयोगी, स्वतंत्रता सेनानी, चिंतक, अध्यात्मद्रष्टा और सर्वोदय आंदोलन के प्रणेता थे। लेकिन उन्हें केवल गांधीजी के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी के रूप में देखना उनके विराट व्यक्तित्व को सीमित करना होगा। विनोबा की अपनी स्वतंत्र वैचारिक भूमि थी। वे संत ज्ञानेश्वर और संत तुकाराम से प्रेरित थे, भगवद्गीता उनके जीवन का आध्यात्मिक आधार थी और समाज-परिवर्तन उनके चिंतन का व्यावहारिक पक्ष।

विनोबा का सबसे बड़ा योगदान यह था कि उन्होंने आध्यात्मिकता को समाज की वास्तविक समस्याओं से जोड़ा। भूदान आंदोलन इसका अद्भुत उदाहरण है। वे गाँव-गाँव पैदल गए और भूमिधरों से अपनी भूमि का एक हिस्सा भूमिहीनों के लिए दान करने का आग्रह किया। यह केवल भूमि का हस्तांतरण नहीं था, बल्कि स्वामित्व की मानसिकता से साझेदारी की चेतना की ओर बढ़ने का प्रयास था। आगे चलकर भूदान से ग्रामदान की अवधारणा विकसित हुई-'सारी भूमि गोपाल की।' इसमें आर्थिक न्याय के साथ सामाजिक समरसता और नैतिक उत्तरदायित्व का संदेश छिपा था। विनोबा का विश्वास था कि समाज को केवल कानूनों से नहीं, अंतरात्मा के जागरण से बदला जा सकता है। यही दृष्टि उन्हें सर्वोदय तक ले गई-ऐसा समाज जिसमें विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे और किसी के उत्थान की कीमत दूसरे के शोषण से न चुकानी पड़े। चंबल के डाकुओं को आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित करना उनके नैतिक नेतृत्व की शक्ति का प्रमाण था। उनके भीतर ऐसा विश्वास था कि मनुष्य मूलतः परिवर्तनशील है, आवश्यकता उसके भीतर की अच्छाई को जगाने की है। विनोबा भावे और अणुव्रत आंदोलन के प्रणेता आचार्य तुलसी के बीच भी इसी नैतिक चेतना की गहरी साम्यता थी। जब आचार्य तुलसी ने अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से व्यक्ति-निर्माण और नैतिक जागरण का अभियान प्रारंभ किया, तब अनेक राष्ट्रीय व्यक्तित्वों ने उनके प्रयासों को सहयोग और समर्थन दिया। विनोबा भावे उनमें प्रमुख थे। दोनों महापुरुष समय-समय पर मिलते रहे और देश के निर्माण में नैतिक मूल्यों की अनिवार्यता पर गंभीर विचार-विमर्श करते रहे। उनकी दृष्टि में राजनीति, समाज और अर्थव्यवस्था तभी स्वस्थ हो सकती है, जब उनका संचालन नैतिक मनुष्य के हाथों में हो। दोनों की पदयात्राओं में भी एक आत्मीय जुड़ाव दिखाई देता है। पदयात्रा उनके लिए केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने का माध्यम नहीं थी, वह जन-संपर्क, जन-जागरण और आत्म-संपर्क की साधना थी। विनोबा कहा करते थे कि पैदल चलने से धरती का स्पर्श होता है और प्रकृति के साथ संबंध गहरा होता है। उनके विचारों की यह अनुभूति मुझे स्वयं भी हुई। अणुव्रत आंदोलन के प्रणेता आचार्य तुलसी के साथ अनेक वर्षों तक पैदल चलने का अवसर मिला। मैंने अनुभव किया कि पैदल यात्रा केवल शरीर को गतिशील नहीं करती, वह मन और मस्तिष्क के बंद द्वार भी खोलती है। रास्ते में मिलने वाला सामान्य व्यक्ति भी शिक्षक बन जाता है और जीवन स्वयं एक खुली पाठशाला बन जाता है।

मेरे परिवार का विनोबा भावे से जुड़ा एक प्रसंग आज भी मेरे लिए अत्यंत भावपूर्ण है। मेरे पिता स्व. श्री रामस्वरूप गर्ग और माता स्व. श्रीमती सत्यभामा गर्ग सर्वोदय कार्य से जुड़े हुए थे। वर्ष 1959 में विनोबा भावे पदयात्रा करते हुए अजमेर आए। उन्हें जानकारी मिली कि उनकी कार्यकर्त्री सत्यभामा गर्ग कैंसर से पीड़ित हैं और जीवन-मृत्यु के बीच संघर्ष कर रही हैं। वे उनसे मिलने इमली मोहल्ले की संकरी गलियों से होते हुए तीसरी मंजिल तक गए और उन्हें अपना आशीर्वाद दिया।

दंपति के इस...

डॉ0 सीमा गुप्ता

गाजियाबाद में दिव्यांग दंपति को मिला आजीविका और गरिमा का संबल

कल्याणकारी राज्य की अवधारणा तब साकार होती है जब नीतियां समाज के सबसे वंचित और संवेदनशील वर्ग को केवल तात्कालिक सहायता तक सीमित न रखकर उन्हें आत्मनिर्भरता और मानवीय गरिमा के साथ जीने का सुदृढ़ आधार प्रदान करें। उत्तर प्रदेश सरकार इसी दृष्टिकोण के साथ दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा में स्थापित करने के लिए बहुआयामी एवं समावेशी रणनीतियों का क्रियान्वयन कर रही है। शासन की नीतियों का केंद्रीय दर्शन यह है कि दिव्यांगजन केवल दया अथवा अनुग्रह के पात्र नहीं, बल्कि समान नागरिक अधिकारों, सम्मान और विकास के अवसरों के स्वाभाविक हकदार हैं।

जनपद गाज़ियाबाद में राज्य स्तरीय जनकल्याणकारी नीतियों का लाभ सुनियोजित तरीके से लाभार्थियों तक पहुँचाने का कार्य जिला प्रशासन स्तर से सम्पन्न किया जा रहा है। जनपद में योजनाओं के सफल क्रियान्वयन ने यह सिद्ध किया है कि यदि शासकीय योजनाओं को समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से लक्षित लाभार्थियों तक पहुंचाया जाए, तो वह गहरे संकट में घिरे परिवारों के लिए पुनर्जीवन का माध्यम बन सकती हैं। गाजियाबाद निवासी नवनीत और उनकी दिव्यांग पत्नी के संघर्ष और स्वावलंबन की गाथा इसी प्रशासनिक संवेदनशीलता और नीतिगत प्रभावशीलता का सशक्त प्रमाण है।

गाजियाबाद के इस दिव्यांग दंपति का जीवन आरंभ से ही आर्थिक अभावों और शारीरिक विषमताओं के बीच संघर्षरत था। परिवार की आजीविका और भविष्य की समस्त आशाएं उनके 17 वर्षीय इकलौते पुत्र पर टिकी हुई थीं, जो अल्प आय के माध्यम से अपने माता-पिता के भरण-पोषण में एकमात्र संबल बना हुआ था। किंतु 26 अप्रैल 2026 को गंभीर बीमारी के चलते पुत्र का असामयिक निधन हो गया। इस वज्रपात ने दंपति को न केवल अपूरणीय भावनात्मक आघात दिया, बल्कि उनके समक्ष दैनिक जीवन-यापन और भरण-पोषण का भीषण संकट भी खड़ा कर दिया।

पुत्र के उपचार में परिवार की संचित पूंजी पूरी तरह समाप्त हो चुकी थी और वे कर्ज के भारी दबाव तले दब गए थे। इस विपदा के उपरांत आजीविका का कोई नियमित स्रोत न होने के कारण परिवार केवल प्रतिमाह मिलने वाली 1,000 की दिव्यांग पेंशन पर निर्भर रह गया था। शारीरिक अक्षमताओं से जूझते इस दंपति के लिए अपने पोषण, आवास और दैनिक दवाओं के प्रबंध के लिए अब अतिरिक्त आय की आवश्यकता होने लगी थी।

दंपति के इस संकट और असहाय स्थिति का संज्ञान लेते हुए गाजियाबाद जिला प्रशासन ने सामाजिक दायित्व के तहत त्वरित हस्तक्षेप किया। जिला प्रशासन ने स्वयंसेवी संस्था 'नीव शक्ति' के समन्वय से परिवार की वास्तविक परिस्थितियों का भौतिक मूल्यांकन किया। प्रशासनिक संवेदनशीलता का परिचय देते हुए केवल तात्कालिक राहत सामग्री देने के स्थान पर एक दीर्घकालिक एवं स्वावलंबी समाधान का मार्ग चुना गया, जिससे दंपति को नियमित आजीविका का निश्चित माध्यम उपलब्ध हो सके।

इस पहल के अंतर्गत दिव्यांग दंपति को व्यवसाय संचालन हेतु एक सर्वसुविधायुक्त व्यावसायिक खोखा उपलब्ध कराया गया।

स्वाध्याय दिवस

एक बार बातचीत के प्रसंग में आचार्य श्री तुलसी ने पंडित नेहरू से पूछा कि आपको पढ़ने का अवसर भी मिलता हैं ? नेहरू जी बोले - आचार्यजी ! बिना पढ़े काम कैसे चलेगा ? इतना बड़ा मुल्क हैं । रोज नईं- नईं घटनाएं होती हैं । अंतराष्ट्रीय संबंधों पर भी ध्यान देना पड़ता हैं । बिना पढ़े काम कैसे चले ? जानकारी के लिए अध्ययन तो करना ही पड़ता हैं । पार्लियामेंट में बहस चलती हैं । अध्ययन नहीं करूंगा तो उत्तर कैसे दे पाऊंगा? रात को दो-तीन घंटे पढ़ता हूं । प्रयोजन साफ हैं ।जिसे शासन चलाना है , उसे राजनीति के बारे में अध्ययन करना होगा । एक व्यापारी को वाणिज्य के बारें में पूरी जानकारी होनो चाहिए । एक न्यायाधीश को कानून की धाराओं के बारें में पूरी जानकारी होनी चाहिए । वकील लोग अदालत में जाने से पहले उस दिन के मुक़दमों के बारें में पूरा होमवर्क करतें हैं । आज तो हर विषय की अलग-अलग शाखाएं हैं । अपने- अपने विषय से संबंधित जानकारी हर आदमी के लिए जरूरी हैं । बिना इसके अपने क्षेत्र में कोई सफल नहीं हो सकता । बात चल रही थी स्वाध्याय की । स्वाध्याय के अर्थ को ठीक से समझा नहीं गया । इसका अर्थ स्थूल है और लोग उसमें अटक जाते हैं । अगर एक से काम चलता हैं तो जो दृश्य हैं, उसी से काम चलता, फिर अदृश्य जगत पर ध्यान देने की कोई जरूरत ही नहीं होती । दृश्य जगत हमारे लिए अपर्याप्त हो रहा हैं, इसलिए अदृश्य जगत पर ध्यान देना जरूरी हो गया हैं । हमें वह मार्ग खोजना हैं, जिससे हमारी समस्या का समाधान हो । इस उद्देश्य को लेकर हमें सूक्ष्म की यात्रा करनी हैं । सूक्ष्म की यात्रा ज्ञान के द्वारा हो सकती हैं, स्वाध्याय के द्वारा हो सकती हैं । सूक्ष्मदृष्टि संपन्न आचार्यों ने बतलाया हैं कि केवल पदार्थों को जानने से तुम्हारा काम संपन्न नहीं होगा । समस्याओं को तुम नहीं सुलझा पाओगे और तुम्हारी यात्रा पूरी नहीं होगी । तुम ऐसे तत्व की खोज करो, जिससे तुम्हारी समस्याओं का समाधान हो सकें । दुःखमुक्ति के लिए आज आत्मज्ञान के आतिरिक्त कोई दूसरी शाखा नहीं हैं ।

> प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

जनपद उन्नाव के ग्राम संदाना की श्रीमती मीरा सिंह ने गाँव के अमृत सरोवर में मत्स्य पालन कर बनी उभरती मत्स्य उद्यमी

उत्तर प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग के साथ महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने और उन्हें स्वरोजगार एवं उद्यमिता से जोड़ने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसी सोच का एक प्रेरक उदाहरण उन्नाव जनपद के हसनगंज विकासखंड स्थित संदाना गांव की श्रीमती मीरा सिंह हैं, जिन्होंने ग्राम पंचायत के अमृत सरोवर के रूप में उपलब्ध सामुदायिक जल संसाधन को अपनी नई आजीविका का आधार बनाया है। स्वयं सहायता समूह से जुड़ी गृहिणी मीरा सिंह आज मत्स्य पालन के क्षेत्र में कदम रखते हुए एक उभरती हुई महिला उद्यमी के रूप में आगे बढ़ रही हैं।

स्वयं सहायता समूह से उद्यमिता की ओर बढ़े कदम

श्रीमती मीरा सिंह गाँव की 'जल जीवन प्रेरणा महिला मत्स्य उत्पादक समूह' की सदस्य हैं। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (न्च्ैत्स्ड) की मत्स्य पहल के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को मत्स्य पालन को संभावित आजीविका एवं उद्यम के रूप में अपनाने की जानकारी दी गई। माइक्रोसेव कंसल्टिंग (डैब्), राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अधिकारियों तथा संबंधित विभागों के साथ हुई चर्चाओं के माध्यम से महिलाओं को यह समझने का अवसर मिला कि गांव में उपलब्ध जल संसाधनों को उत्पादक आजीविका परिसंपत्ति में परिवर्तित किया जा सकता है। इसी पहल से प्रेरित होकर मीरा सिंह ने मत्स्य पालन को अपनाने का निर्णय लिया।

श्रीमती मीरा सिंह को राजस्व विभाग के माध्यम से ग्राम पंचायत का धोबिन तालाब (अमृत सरोवर) 10 वर्ष के लिए पट्टे पर मिला। यह उनके लिए केवल तालाब की प्राप्ति नहीं, बल्कि एक नए उद्यम की शुरुआत थी। उन्होंने तालाब में व्यवस्थित मत्स्य पालन शुरू करने के लिए आवश्यक सुधार कराए। विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन, ग्रामीण के सहयोग से तालाब का जीर्णोद्धार कराया गया और उसे मत्स्य उत्पादक उपयोग के लिए तैयार किया गया।

तालाब तैयार होने के बाद मत्स्य विभाग के तकनीकी सहयोग से छह प्रजातियों की मछली का बीज तालाब में संचयन किया गया। प्रथम वर्ष के आवश्यक इनपुट तथा एरेशन सहायता के लिए मीरा सिंह ने मत्स्य विभाग की योजनाओं के अंतर्गत आवेदन किया है। उन्होंने नेशनल फिशरीज डिजिटल प्लेटफॉर्म (छथ्क्च्) पर पंजीकरण भी कराया है, जिससे उन्हें औपचारिक मत्स्य व्यवस्था तथा संबंधित सरकारी योजनाओं से जुड़ने का अवसर मिला है। मीरा सिंह ने तालाब को केवल मछली उत्पादन तक सीमित न रखते हुए इसके प्रत्येक हिस्से को उत्पादक बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया। उद्यान विभाग के सहयोग से तालाब की मेड़ पर फलदार पौधे और मौसमी सब्जियां लगाई हैं। इसके साथ ही उन्होंने अजोला उत्पादन, जीवामृत खाद तैयार करने और मछलियों के लिए घर पर आहार तैयार करने की गतिविधियां भी शुरू की हैं। इन प्रयासों से स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग करने तथा उत्पादन लागत को नियंत्रित करने की दिशा में काम हो रहा है। पशुपालन विभाग के साथ अभिसरण से चारा उत्पादन तथा अन्य एकीकृत आजीविका गतिविधियों को जोड़ने की संभावनाएं भी विकसित हो रही हैं। संदाना गाँव का धोबिन तालाब अब केवल मत्स्य उत्पादन का केंद्र नहीं रह गया है, बल्कि धीरे-धीरे एकीकृत और विविधीकृत आजीविका परिसंपत्ति के रूप में विकसित हो रहा है। श्रीमती मीरा सिंह ने बताया कि पहली बार मत्स्य पालन शुरू करने के कारण तालाब प्रबंधन, मछली बीज संचयन, आहार प्रबंधन और मछलियों के स्वास्थ्य जैसी गतिविधियां मेरे लिए नई थीं। मत्स्य विभाग एवं माइक्रोसेव कंसल्टिंग के तकनीकी मार्गदर्शन तथा स्थानीय स्तर पर मत्स्य सखी सुनीति के सहयोग से इन गतिविधियों को सीखना शुरू किया। तालाब की नियमित देखभाल, मछलियों को आहार देने, शुरुआती स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान, पानी की जांच तथा आवश्यकता पड़ने पर तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने में मत्स्य सखी का सहयोग उपयोगी साबित हुआ है। उद्यम के लिए कार्यशील पूंजी की आवश्यकता को देखते हुए श्रीमती मीरा सिंह को किसान क्रेडिट कार्ड (ज्ञब्ब्) के लिए आवेदन कराने में भी सहयोग दिया गया। इस प्रकार आजीविका के साथ उन्हें औपचारिक वित्तीय व्यवस्था से जोड़ने की दिशा में भी कदम बढ़ाया है।

श्रीमती मीरा सिंह अब अपनी आय के अवसरों को केवल मत्स्य पालन तक सीमित नहीं रखना चाहतीं। उन्होंने मछली पालन के साथ मोती पालन को जोड़ने का निर्णय लिया है और इसके लिए संबंधित विभाग में आवेदन भी किया है। उनका लक्ष्य धोबिन तालाब को मत्स्य पालन, बागवानी और अन्य पूरक गतिविधियों से जोड़कर एक विविधीकृत आजीविका उद्यम के रूप में विकसित करना है। उनके इस कार्य में उद्यान विभाग ने तालाब की मेड़ पर फलदार पौधों और सब्जियों की गतिविधियों को जोड़ा, जबकि पशुपालन विभाग के साथ अभिसरण से चारा उत्पादन और एकीकृत आजीविका गतिविधियों की संभावनाएं विकसित हो रही हैं। छथ्क्च् पंजीकरण और ज्ञब्ब् आवेदन ने मीरा सिंह को औपचारिक मत्स्य व्यवस्था तथा वित्तीय सहायता से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं।

श्रीमती मीरा सिंह की आजीविका मिशन की यह यात्रा अभी जारी है। मत्स्य पालन, बागवानी और अन्य गतिविधियों से होने वाली वास्तविक आय आने वाले समय में सामने आएगी, लेकिन महिला सशक्तिकरण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। जो महिला पहले गृहिणी के रूप में अपने परिवार की जिम्मेदारियां संभाल रही थीं, आज वही 10 वर्ष के पट्टे पर मिले अमृत सरोवर का प्रबंधन कर रही हैं, मत्स्य पालन सीख रही हैं, कम लागत वाली गतिविधियां अपना रही हैं, नए आजीविका अवसर तलाश रही हैं और अपने उद्यम को विस्तार देने की योजना बना रही हैं। श्रीमती मीरा सिंह का यह मॉडल यह संदेश भी देता है कि नई आजीविका के लिए हमेशा नई परिसंपत्ति की आवश्यकता नहीं होती। उपलब्ध सामुदायिक संसाधनों को सही संस्थागत सहयोग, तकनीकी मार्गदर्शन और विभागीय अभिसरण के साथ जोड़कर उन्हें ग्रामीण आर्थिक सशक्तीकरण का आधार बनाया जा सकता है।

रोडवेज बस की टक्कर से 5 की मौत

मरने वालों में एक बच्चा, ड्राइवर गाड़ी छोड़कर भागा

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर में बुधवार को एक बेकाबू रोडवेज बस ने 2 बाइकों को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार 5 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक 5 साल की बच्ची भी शामिल है। हादसा जिला मुख्यालय से 35 किलोमीटर दूर दोपहर करीब 3:30 बजे बुढ़ाना थाना क्षेत्र के भसाना गांव के पास हुआ।

हादसे के बाद बस चालक बस को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने बस को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। हादसे में जान गंवाने वाले कांधला निवासी इदरीश और साजिद चचेरे भाई थे। दोनों मुजफ्फरनगर किसी काम से आए

थे। बुधवार दोपहर को बाइक से दोनों घर लौट रहे थे। वहीं फरमान और मोमिन जीजा-साले थे। फरमान अपने जीजा और बेटी अल्लो (5) के साथ मुजफ्फरनगर खरीदारी करने आया था। तीनों खरीदारी के बाद बाइक से तमेला गढ़ी की ओर जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक रोडवेज बस तेज रफ्तार में थी।

भसाना गांव के पास मोड़ पर बस के सामने दोनों बाइक सवार आ गए। इसके बाद बस ने दोनों बाइकों को टक्कर मार दी। हादसे के बाद ड्राइवर बस को मौके पर छोड़कर भाग गया। सड़क पर खून से लथपथ पड़े घायल तड़प रहे थे। मदद की गुहार लगा रहे थे।

आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल भिजवाया। यहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने बस को कब्जे में ले लिया है। ड्राइवर की तलाश की जा रही है। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी है।

परिजन मौके पर पहुंच रहे हैं। इसके अलावा, गढ़ी राजपुर की एक बच्ची की भी जान गई है। मैं मौके पर पहुंचा तो वहां कोई नहीं मिला। हम कांधला कस्बे के मोहल्ला खेल स्थित चमन गार्डन कॉलोनी के रहने वाले हैं।

- बस और बाइक की टक्कर में एक मासूम की भी मौत हो गई।
- बस और बाइकों की टक्कर के बाद मौके पर भीड़ लग गई। सड़क किनारे लाशें पड़ी थीं।
- हादसे के बाद पुलिस ने लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल भेजा।

पुलिवाले घायलों को अस्पताल लेकर आए है। अब तक वह अपने भाइयों से मिल नहीं पाए हैं।

मोहम्मद शमशाद ने बताया- मेरे भाई साजिद और इदरीश को बस से टक्कर लगी है। उनकी हालत है अभी कैसी है, मुझे नहीं पता। हादसे में मरने वाले और घायलों में कुछ लोग मोमीन समुदाय से हैं। दो-तीन लोग तमिलनाडु के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

रैपिडो राइडर ने लड़की को भेजा 'आई लव यू' मैसेज

बोला- जहां शिकायत करनी हो, कर दो, कंपनी ने नोएडा की लड़की से माफी मांगी

तमसा संकेत, एजेंसी

नोएडा। नोएडा में रैपिडो राइडर ने लड़की को पर्सनल मैसेज भेजे। पहले पूछा- 'हैलो, कैसी हो आप?' फिर कुछ ही देर बाद सीधे 'आई लव यू' लिख दिया। लड़की ने चेतावनी देते हुए लिखा- वापस कॉल या मैसेज किया, तो पुलिस से शिकायत करूंगी। इस पर राइडर ने कहा- हां, जाओ कर दो। रैपिडो में भी कर दो। लड़की ने पूरी बातचीत के स्क्रीनशॉट लिंक्डइन पर शेयर कर दिया। उसने रैपिडो के को-फाउंडर अरविंद सांका को टैग कर शिकायत की। पोस्ट सामने आने के बाद रैपिडो कंपनी ने लड़की से माफी मांगी है। नोएडा में रहने वाली डिजिटल कम्युनिकेशन एक्सपर्ट गीतिका श्रीवास्तव ने 3 दिन पहले

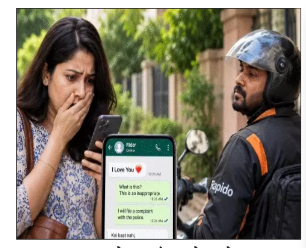

(रविवार को) रैपिडो से पार्सल डिलीवरी बुक किया था। इसके बाद राइडर ने पर्सनल मैसेज भेजे। गीतिका ने अपनी नाराजगी जताते हुए सोशल मीडिया लिंक्डइन पर लिखा- देश में एक महिला होना पहले ही मुश्किल है। लेकिन, अब रैपिडो से सिर्फ एक पार्सल डिलीवरी बुक करना भी परेशानी का कारण बन रहा है। उन्होंने डिलीवरी राइडर की ओर से भेजे गए पर्सनल और आपत्तिजनक मैसेज का जिक्र करते

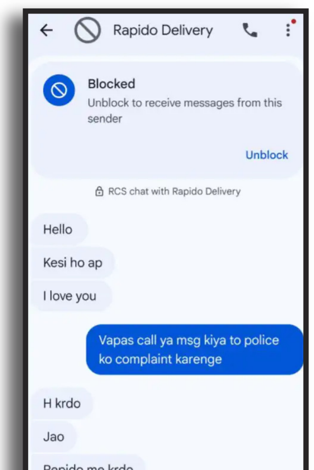

हुए कहा कि आखिर राइडर शिकायत की बात सुनकर भी इतना बेफिक्र क्यों था?

फास्ट न्यूज

हमारे लिए ही हैलीपेड क्यों खराब हो जाता है : अखिलेश

बुलंदशहर। बुलंदशहर में सपा प्रमुख अखिलेश यादव के दौरे के पहले हेलीपैड को लेकर घमासान मचा है। अखिलेश यादव ने 'एक्स' पोस्ट में प्रशासन की मंशा पर सवाल खड़े करते हुए कहा- प्रशासन जबरन नाटक करके बुलंदशहर कार्यक्रम रद्द करने का बहाना ढूंढा रहा है। हेलीपैड के आसपास दूर-दूर तक जलभराव नहीं दिख रहा लेकिन हेलीकॉप्टर उतारने की अनुमति नहीं मिल रही। जनता पूछ रही है कि हैलीपैड और मौसम केवल विपक्ष के लिए ही क्यों ख़राब होता है?

बुलंदशहर में 15 बीघा से ज्यादा जमीन पर अवैध प्लॉटिंग

बुलंदशहर। बुलंदशहर-खुर्जा विकास प्राधिकरण (बीकेडीए) ने अवैध कॉलोनियों और बिना नक्शा पास कराए हो रहे निर्माणों पर कार्रवाई तेज कर दी है। बुधवार दोपहर 3 बजे प्राधिकरण की उपाध्यक्ष डॉ. अपराजिता सिंह सिनसिनवार के निर्देश पर एक खास अभियान चलाया गया। इस दौरान खुर्जा विकास क्षेत्र में करीब 15 बीघा से ज्यादा जमीन पर की गई अवैध प्लॉटिंग को तोड़ दिया गया। खुर्जा-जेवर रोड पर (आर.आर. इंजी. वर्क के सामने) राजीव, पुनीत और जोगिंदर ने करीब 4-5 बीघा जमीन पर अवैध प्लॉटिंग की थी। प्राधिकरण ने इसे ध्वस्त कर दिया।

पीएल शर्मा अस्पताल में सफाईकर्मियों का प्रदर्शन

मेरठ। मेरठ के पीएल शर्मा जिला अस्पताल में सफाई व्यवस्था संभाल रही Avon Facility कंपनी के कर्मचारियों ने बुधवार को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अधीक्षक कार्यालय पर प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने न्यूनतम मानदेय की गारंटी और वेतन का सीधे उनके खातों में भुगतान कराने की मांग की। कर्मचारियों का कहना था कि वे लंबे समय से अस्पताल में सफाई व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीन के नाम पर धोखाधड़ी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मोहनलालगंज पुलिस ने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर जमीन के बैनामे के नाम पर धोखाधड़ी करने के मामले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया।

पुलिस के मुताबिक, वृंदावन योजना निवासी श्रीमती गुड्डी ने 9 सितंबर 2025 को शिकायत दर्ज कराई थी कि विपक्षी पक्ष ने जमीन का बैनामा कराने के नाम पर उनसे रुपये ले लिए, लेकिन बाद में जमीन का बैनामा नहीं किया। रुपये वापस मांगने पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान-माल की धमकी भी दी। शिकायत के आधार पर मोहनलालगंज थाने में मुकदमा संख्या 405/2025 दर्ज किया गया था।

मामले की जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी और मैनुअल साक्ष्यों के साथ संपर्क सूत्रों की मदद से आरोपी की तलाश शुरू

की। बुधवार, 9 सितंबर 2026 को पुलिस टीम ने मामले में वांछित सुनील कुमार (37) पुत्र श्याम निवासी हसनपुर, थाना नगराम, लखनऊ को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, मामले में पूर्व में सालिक राम पुत्र स्वर्गीय गंगादीन को 6 अप्रैल 2026 तथा संगीता देवी पत्नी सालिक राम को 12 जुलाई 2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ धारा 318(4), 336(3), 338, 340(2), 61(2), 351(3) और 352 बीएनएस के तहत कार्रवाई की है। आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

2027 विधानसभा चुनावः विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन की शुरुआत करेगी आपः संजय सिंह

आप यूपी प्रभारी, सांसद संजय सिंह के नेतृत्व में प्रदेश पदाधिकारियों की हुई बैठक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह के नेतृत्व में बुधवार को राजधानी लखनऊ में प्रदेश पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, जनहित के मुद्दों को आक्रामक ढंग से उठाने और आगामी 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर व्यापक चर्चा की गई। बैठक के बाद आयोजित प्रेस वार्ता में सांसद संजय सिंह ने प्रदेश की योगी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए पार्टी के आगामी तीन बड़े प्रदेशव्यापी कार्यक्रमों की घोषणा की और सरकार को भ्रष्टाचार, बेरोजगारी व नफ़रत की राजनीति के मुद्दे पर जमकर घेरा। इस मौके पर

दिल्ली के पूर्व विधायक व उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी दिलीप पांडेय, सह प्रभारी विशेष रवि और विधायक दिल्ली सुरेंद्र चौधरी मौजूद रहे। इसके अलावा निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह, महासचिव दिनेश सिंह पटेल, सभी प्रांतों के प्रांत प्रभारी, प्रांत अध्यक्ष, प्रदेश के सभी प्रकोष्ठ अध्यक्ष, प्रदेश प्रकोष्ठों के महासचिव, जिला प्रभारी, जिला अध्यक्ष मौजूद रहे। इस दौरान चुनाव लड़ चुके पूर्व प्रत्याशी भी उपस्थित रहे। 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव की रणनीति और सम्मेलनों पर बोलते हुए संजय सिंह ने कहा कि आज की बैठक में आगामी चुनाव को लेकर प्रस्ताव पारित हुआ है। उन्होंने घोषणा की कि सितंबर के अंतिम सप्ताह से आम आदमी पार्टी पूरे उत्तर प्रदेश में विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलनों की शुरुआत करने जा रही है। संजय सिंह ने कहा, प्रदेश के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की कितनी और कैसी हिस्सेदारी होगी, इस पर पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल जी और केंद्रीय नेतृत्व के साथ विस्तार से चर्चा की जाएगी। पार्टी आलाकमान तय करेगा कि हमें कितनी सीटों पर और किस रणनीति के तहत मजबूती से लड़ना है। सांसद संजय सिंह ने पार्टी के पहले बड़े अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि आगामी 27 सितंबर को शहीद-ए-आज़म भगत सिंह की जयंती के अवसर पर आम आदमी पार्टी प्रदेश के सभी

- 27 सितंबर को भगत सिंह जयंती पर प्रदेश के सभी जिलों में विचार गोष्ठी और रक्तदान शिविर का होगा आयोजित : संजय सिंह
- यूपी में नफ़रत की राजनीति, बेरोज़गारी और भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ अक्टूबर से प्रदेशव्यापी यात्रा निकालेगी आपः संजय सिंह
- 2 लाख पद खाली, फिर भी युवाओं को नौकरी नहीं; "अनपढ़ रहेगा इंडिया, तभी तो अंधभक्त बनेगा इंडिया": संजय सिंह

जिलों में भव्य कार्यक्रम आयोजित करेगी। इस दिन सभी ज़िला मुख्यालयों पर विचार गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा और साथ ही बड़े पैमाने पर ब्लड डोनेशन (रक्तदान) शिविर लगाए जाएंगे, ताकि युवाओं को भगत सिंह जी के विचारों से जोड़ने के साथ-साथ समाज सेवा का संदेश दिया जा सके।

खाद्य प्रसंस्करण से किसानो व युवाओं की आमदनी बढ़ाने के लिए सरकार के ठोस प्रयास

- उ०प्र० खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 से उद्यमियों को मिलेगा नया आयाम
- खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र मे रोजगार की अपार सम्भावनायें स्थानीय किसानों को मिलेगा लाभ, गांव-गांव तक पहुँचेगा औद्योगिक समन्वय
- यूपी मे फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री बनेगी निवेश व रोजगार का नया केंद्र -किसानों से युवाओं तक लाभ ही लाभ
- उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत अप्रेजल समिति की बैठक सम्पन्न खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को मिला बढ़ावाः यूपी में अप्रेजल समिति द्वारा 06 नये प्रोजेक्ट्स को मंजूरी

तमसा संकेत, संवाददाता

उत्तर प्रदेश बना निवेशकों की पसंद, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को मिल रही लगातार स्वीकृति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र मे किसानो व उद्यमियो की आमदनी बढ़ाने तथा युवाओं के लिए रोजगार की अपार सम्भावनायें है।उन्होने खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियो को निर्देश दिये हैं कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति के तहत दी जा रही सुविधाओं तथा प्रदत्त व प्राविधानित अनुदान आदि के बारे मे लोगो को जागरूक व प्रेरित किया जाय, ताकि अधिक से अधिक उद्यम स्थापित हो सकें। इस दिशा मे खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा बहुत तेजी से कार्य किया जा रहा है।उन्होंने निर्देश दिये हैं कि खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देकर किसानो के उत्पादो का अधिक से अधिक दाम दिलायें।विकसित भारत के निर्माण मे खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर का बहुत बड़ा योगदान रहेगा। खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को लगातार स्वीकृति मिल रही है और उत्तर प्रदेश निवेशकों की पसंद बन रहा है।खाद्य प्रसंस्करण से किसानो व युवाओं की आमदनी बढ़ाने के लिए सरकार के ठोस प्रयास किये जा रहे हैं।उ०प्र० खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 से उद्यमियों को नये आयाम मिल रहे हैं।खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र मे रोजगार की अपार सम्भावनायें हैं। नीति से स्थानीय किसानों को लाभ मिलेगा और गांव-गांव तक औद्योगिक समन्वय पहुंच रहा है।यूपी मे फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री निवेश व रोजगार का नया केंद्र बन रही है। खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा देश की सर्वोत्तम उ०प्र० खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति के माध्यम से प्रदेश में अधिक से अधिक पूंजी निवेश आकर्षित करने के लिए विभिन्न योजनायें संचालित है।

बेटियों के आत्मसम्मान, सुरक्षा, गरिमा और नेतृत्व क्षमता के लिए विद्यालयी वातावरण को अधिक संवेदनशील बना रही योगी सरकार

रूप-रंग और शारीरिक बनावट को लेकर चिढ़ाने की प्रवृत्ति को समझेंगे शिक्षक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार बालिकाओं की शिक्षा को उनके आत्मसम्मान, सुरक्षा, गरिमा और नेतृत्व क्षमता से जोड़ते हुए विद्यालयी वातावरण को अधिक संवेदनशील बनाने की दिशा में काम कर रही है।

इसी क्रम में बच्चों के आत्मसम्मान को प्रभावित करने वाले संवेदनशील मुद्दों पर शिक्षकों की समझ विकसित की जा रही है। रूप-रंग अथवा शारीरिक बनावट को लेकर चिढ़ाना, स्वयं और दूसरों को केवल शरीर या रूप-रंग के आधार पर देखना, अपने शरीर और उसकी क्षमताओं को पहचानना, सोशल मीडिया का प्रभाव तथा लैंगिक रूढ़ियां प्रशिक्षण के प्रमुख विषय हैं।

विशेष परियोजना फॉर इक्विटी के अंतर्गत मीना मंच कार्यक्रम एवं सेल्फ-एस्टीम परियोजना के लिए आज से दो बैच में 100 प्रतिभागियों का दो दिवसीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण शुरू हो गया है। व्यापक प्रशिक्षण रूपरेखा में कुल 450 मास्टर ट्रेनर्स को तैयार करने का लक्ष्य है। इस पहल का उद्देश्य शिक्षकों को बच्चों के संवेदनशील अनुभवों को समझने और उनके साथ प्रभावी संवाद के लिए तैयार करना है, ताकि विद्यालयों में सुरक्षित, सहभागी और सम्मानजनक वातावरण मजबूत हो तथा हर बालिका आत्मविश्वास के साथ अपनी शिक्षा और भविष्य की ओर आगे बढ़ सके।

प्रशिक्षण में नव-विकसित चार कॉमिक पुस्तकों को शिक्षण संसाधन के रूप में शामिल किया गया है। इनके माध्यम से रूप-रंग और शारीरिक बनावट के आधार पर चिढ़ाने एवं परेशान करने, शरीर को लेकर बच्चों की धारणाओं, अपने शरीर से जुड़ाव एवं उसकी क्षमताओं तथा सोशल मीडिया के प्रभाव जैसे विषयों को समझाया जा रहा है। इन संसाधनों के उपयोग से बच्चों के नामांकन, नियमित उपस्थिति और विद्यालयी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी बढ़ाने के तरीकों का भी प्रदर्शन होगा। प्रशिक्षण में मीना मंच के गठन, 'पॉवर एंजिल' की भूमिका और सहभागितापूर्ण सहजीकरण की प्रक्रिया पर काम हो रहा है।

एसटीएआरएस सिद्धांत के माध्यम से सुरक्षित वातावरण में बच्चों की बात सुनने, बिना पूर्वधारणा के संवाद करने, सभी आवाजों को महत्व देने और अनुभवों से सीखने की प्रक्रिया समझाई जा रही है। लैंगिक रूढ़ियों की पहचान तथा कॉमिक्स और कक्षा गतिविधियों के माध्यम से इन विषयों पर संवाद का भी अभ्यास हो रहा है। प्रशिक्षण के पहले दिन लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो अधिनियम) पर चर्चा के माध्यम से बाल सुरक्षा के प्रमुख संदेशों को स्पष्ट किया गया। मॉक प्रदर्शन और रचनात्मक प्रतिक्रिया के माध्यम से प्रतिभागियों के सहजीकरण कौशल को मजबूत करने का प्रयास हुआ।

मासिक धर्म स्वास्थ्य और गरिमा पर चर्चा

उच्चतम न्यायालय के डॉ. जया ठाकुर बनाम भारत सरकार एवं अन्य (2026) निर्णय के प्रमुख निहितार्थों पर भी चर्चा होगी। मासिक धर्म स्वास्थ्य, गरिमा और विद्यालय की जिम्मेदारियों के अंतर्गत सुरक्षित शौचालय, पानी, आवश्यक उत्पाद, निस्तारण, गोपनीयता और जागरूकता जैसे विषयों पर विद्यालयी स्तर पर व्यावहारिक कदम तय करने का अभ्यास कराया जाएगा।

निर्देश : भारत सरकार स्तर पर लंबित परियोजनाओं एवं वित्तीय मामलों के लिए शीघ्र ही नई दिल्ली में बैठक आयोजित की जायेगी-जयवीर सिंह

कल्चर टैलेंट हंट कार्यक्रम आगामी 02 अक्टूबर से 25 दिसम्बर तक चलाकर युवाओं को पर्यटन से जोड़ा जायेगा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि कल्चर टैलेंट हंट कार्यक्रम 02 अक्टूबर गॉधी जयंती के अवसर पर शुरू करके स्कूल एवं कालेजों के विद्यार्थियों को नवाचार एवं पर्यटन से जोड़ा जाए। इस प्रक्रिया का समापन भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 अटल विहारी बाजपेयी के जन्मदिन के अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन करके किया जाए। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को अपनी विरासत पर गर्व करने एवं ऐतिहासिक धरोहरों से जुड़ी कहानियॉ एवं अनुभव का अवसर देने का कार्य किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि विभाग में

> **बैठक में बताया गया कि इम्पैनल्ड आर्किटेक्ट जिनका कार्य संतोषजनक नहीं है उनकी जगह नवीन आर्किटेक्टों को इम्पैनल्ड किया जाए। उन्होंने कार्यदायी संस्थावार लंबित उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं आर्किटेक्ट के लंबित देयकों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि जिनका कार्य संतोषजनक है उनका भुगतान सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा उन्होंने राही पर्यटक आवासगृहों को प्रबंधकीय संविदा पर संचालन की प्रगति की जानकारी ली।**

निर्माणाधीन कार्यों को आगामी नवम्बर, 2026 तक हरहाल में पूरा कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि भारत सरकार स्तर पर लंबित परियोजनाओं एवं वित्तीय मामलों के निस्तारण के लिए नई दिल्ली में शीघ्र ही संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठक की जायेगी। श्री जयवीर सिंह आज यहां पर्यटन भवन में संस्कृति एवं पर्यटन विभाग तथा उ0प्र0 ब्रजतीर्थ विकास परिषद की उपलब्धियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने संस्कृति भवन के निर्माण हेतु एलडीए एवं जिलाधिकारी लखनऊ से समन्वय कर शहीद पथ के पास लूलू मॉल के पीछे खाली पड़ी भूमि पर संस्कृति एवं पुरातत्व भवन का निर्माण किये जाने का निर्देश दिये। इसके अलावा भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय के पक्ष में निःशुल्क 45 एकड़ अतिरिक्त भूमि के लिए कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने संस्कृति निदेशालय द्वारा यूपीपीसीएल को आवंटित

21 परियोजना तथा सीएनडीएस को आवंटित 13 परियोजना पर टेण्डर प्रक्रिया पूर्ण होने पर कार्य आरम्भ करने के निर्देश दिये। श्री जयवीर सिंह ने प्रदेश के विभिन्न जनपदों में निर्माणाधीन रामलीला की चहारदीवारियॉ जहां पूर्ण हो चुकी हैं, उन्हें रामलीला कमेटियों को हैंडओवर एवं टेकओवर कराने के निर्देश दिये। इसके अलावा उन्होंने 31 मार्च, 2026 तक जिन परियोजनाओं के निर्माण कार्य हेतु धनराशि आवंटित की गयी है, उनका सभी निर्माण कार्य माह नवम्बर तक प्रत्येक दशा में प्रारम्भ करने के सख्त निर्देश दिये। उन्होंने पर्यटन विभाग की समीक्षा करते हुए पूर्व की बैठकों में लिये गये निर्णयों के सापेक्ष अनुपालन की स्थिति की जानकारी ली।

योगी सरकार का लक्ष्य-उच्च शिक्षा संस्थानों से विकसित हो नशा मुक्त संस्कार की पीढ़ी : उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय

प्रत्येक कक्षा में नशा मुक्ति की शपथ और सप्ताह में एक दिन जागरूकता व्याख्यान के निर्देश

- विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में नोडल अधिकारी नियुक्त होंगे, छात्रावासों का होगा नियमित निरीक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नशामुक्त भारत के आह्वान को जनआंदोलन का स्वरूप देते हुए तथा 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' के संकल्प को साकार करने के प्रदेश के युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने और समाज में नशा मुक्ति का संस्कार विकसित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान को उच्च शिक्षा संस्थानों के माध्यम से प्रभावी बनाया जा रहा है। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने मंगलवार को लखनऊ स्थित विधानसभा कार्यालय में नशा मुक्ति अभियान की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में नियमित जागरूकता गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख सचिव, विशेष सचिव, निदेशक उच्च शिक्षा सहित विभागीय अधिकारी तथा राज्य एवं निजी विश्वविद्यालयों के कुलपति, कुलसचिव एवं अन्य अधिकारी वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। उच्च शिक्षा मंत्री ने निर्देश दिए कि उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नशा मुक्ति अभियान की निगरानी के लिए अधिकारियों को विभिन्न क्षेत्रों में जिम्मेदारी दी जाए। प्रत्येक विश्वविद्यालय में एक नोडल अधिकारी तथा प्रत्येक महाविद्यालय एवं फैकल्टी स्तर पर भी नोडल अधिकारी नामित किए जाएं, ताकि अभियान का प्रभाव अंतिम छोर तक पहुंचे और गतिविधियों की नियमित निगरानी हो सके। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में पहले से कराए गए निरीक्षणों और जांचों की रिपोर्ट भी विभाग को उपलब्ध कराई जाए। विशेष रूप से अधिक संख्या वाले छात्रावासों में नशे की रोकथाम के लिए किए गए प्रयासों की जानकारी संकलित की जाए। मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में निर्देश दिए कि कक्षा शुरू होने से पहले विद्यार्थियों को नशा मुक्ति की संक्षिप्त शपथ दिलाई जाए। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन आधा से एक मिनट की शपथ का विद्यार्थियों के मन पर सकारात्मक मानसिक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि प्रत्येक सप्ताह कक्षा में कम से कम एक बार नशे के दुष्प्रभावों और नशा न करने के सकारात्मक प्रभावों पर शिक्षकों द्वारा संक्षिप्त व्याख्यान दिया जाए। इसके लिए सप्ताह का एक दिन निर्धारित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि लगातार संवाद और जागरूकता से विद्यार्थियों में नशे के प्रति दृढ़ नकारात्मक सोच विकसित होगी। मंत्री उपाध्याय ने कहा कि नशा मुक्ति अभियान को विद्यार्थियों की रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ा जाए।

बिजली का स्विच ऑन करते ही निकली चिंगारी से टैक्स की कई महत्वपूर्ण फाइलें और कार्यालय का सामान जलकर हुआ राख

आगरा नगर निगम ऑफिस में लगी आग

अफरा-तफरी

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा नगर निगम कार्यालय में बुधवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कमरा नंबर 101 में अचानक आग लग गई। बताया जा रहा है कि सफाई के दौरान बिजली का स्विच ऑन करते ही चिंगारी निकली और पास रखे कागजों ने आग पकड़ ली। कुछ ही देर में आग ने कमरे में लगे पर्दे को भी अपनी चपेट में ले लिया। कमरा नंबर 101 में हरीपर्वत जोन का कार्यालय संचालित होता है। यहां टैक्स से संबंधित महत्वपूर्ण फाइलें और अन्य कार्यालयी दस्तावेज रखे हुए थे। आग की चपेट में आने से कई फाइलें और सामान जल गया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। कमरे से लगातार धुआं

निकलता देखकर नगर निगम कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। आग फैलने की आशंका के चलते कर्मचारी ग्राउंड फ्लोर से बाहर निकल आए। इस दौरान कार्यालय परिसर में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। इधर, आग कमरे के अंदर तेजी से फैलती गई। वहां रखी कई फाइलें और अन्य कार्यालयी सामान आग की चपेट में आ गए। बताया जा रहा है कि जली हुई फाइलों में टैक्स से संबंधित दस्तावेज भी शामिल हैं। प्रारंभिक जानकारी में बिजली का स्विच ऑन करते समय निकली चिंगारी को आग लगने की वजह बताया जा रहा है।

टैक्स से जुड़ी फाइलों को नुकसान

कमरा नंबर 101 में हरीपर्वत जोन का कार्यालय संचालित होने के कारण यहां टैक्स से संबंधित रिकॉर्ड और फाइलें रखी थीं। आग में इन दस्तावेजों में से कई के क्षतिग्रस्त होने की बात सामने आई है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि आग में कितनी फाइलें पूरी तरह जल गईं और कितने दस्तावेज आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। नगर निगम अधिकारियों की ओर से नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर बुझाई आग

काफी प्रयास के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। आग बुझाने के दौरान इस्तेमाल किए गए पानी से कमरे में काफी पानी भर गया, जिसके बाद वहां मौजूद सामान और फाइलों को भी नुकसान पहुंचा।

आग लगने की घटना का असर नगर निगम कार्यालय के कामकाज पर भी पड़ा।

आग बुझाने और स्थिति सामान्य होने तक करीब एक घंटे तक कार्यालय का काम प्रभावित रहा। फायर ब्रिगेड की टीम के आग पर पूरी तरह काबू पाने के बाद कर्मचारियों ने दोबारा कार्यालय में प्रवेश किया। इसके बाद सामान्य कामकाज शुरू कराया गया।

आग की सूचना तत्काल फायर ब्रिगेड को दी गई। जानकारी मिलते ही दमकल की टीम नगर निगम कार्यालय पहुंची और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। कमरे में मौजूद कागज और अन्य सामान के कारण आग को नियंत्रित करने में टीम को मशक्कत करनी पड़ी।

अपर नगर आयुक्त समेत अधिकारी पहुंचे मौके पर

घटना की जानकारी मिलने के बाद अपर नगर आयुक्त शिशिर कुमार समेत नगर निगम के अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने आग से प्रभावित कमरे का निरीक्षण किया और नुकसान की स्थिति देखी। नगर निगम की ओर से आग में जली और क्षतिग्रस्त हुई फाइलों तथा अन्य सामान का आकलन किया जा रहा है। साथ ही आग लगने की वजह और इससे हुए वास्तविक नुकसान की जानकारी जुटाई जा रही है।

बरसाना राधा अष्टमी उत्सव के लिए प्रशासन अलर्ट

18-19 सितंबर को महोत्सव होगा, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा में 18 और 19 सितंबर को होने वाले विश्व प्रसिद्ध राधा अष्टमी महोत्सव के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह तैयार है। लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए कड़े इंतजाम किए गए हैं। बरसाना डाक बंगले में एक उच्चस्तरीय बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सुरेश चंद्र रावत और अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) डॉ. अमरेश कुमार ने की। इसमें मंदिर परिसर और आसपास भीड़ नियंत्रण, ट्रैफिक मैनेजमेंट और इमरजेंसी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। राधारानी मंदिर में दर्शनार्थियों के प्रवेश के लिए श्रीजी गेट और लाडो गेट (छोटी व बड़ी सीढ़ियां) तय किए गए हैं। दर्शन के बाद मंदिर से बाहर निकलने के लिए सिर्फ जयपुर मंदिर मार्ग का इस्तेमाल होगा, ताकि

आमने-सामने भीड़ का दबाव न बने। श्रद्धालुओं को नियंत्रित गति से आगे बढ़ाने के लिए 'बॉक्स फॉर्मेशन' सिस्टम लागू किया जाएगा। पूरे मेला क्षेत्र को अलग-अलग जोन और सेक्टर में बांटकर भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी तैनात किए जाएंगे। बैठक के बाद अधिकारियों ने मेला परिसर और दर्शन मार्गों का दौरा किया। उन्होंने निर्माण कार्यों, बैरिकेडिंग, पीने के पानी, साफ-सफाई और लाइटिंग व्यवस्था का जायजा लिया। संबंधित विभागों के अधिकारियों को समय पर काम पूरा करने के सख्त निर्देश दिए गए।

फास्ट न्यूज

अलीगढ़ में बदलते मौसम से बढ़े वायरल के मरीज

अलीगढ़। मौसम में लगातार हो रहे बदलाव का असर अब लोगों की सेहत पर दिखाई देने लगा है। वायरल बुखार, सर्दी-जुकाम और शरीर में दर्द की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक संक्रमण की चपेट में आ रहे हैं। शहर के पं. दीनदयाल उपाध्याय संयुक्त चिकित्सालय में इन दिनों रोजाना करीब 2 हजार मरीज ओपीडी में पहुंच रहे हैं। इनमें 500 से 600 मरीज वायरल संक्रमण से पीड़ित मिल रहे हैं।

ट्रेन पर चढ़ते वक्त पैर फिसला, 50 मीटर घिसटता रहा

आगरा। यूपी में आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर एक यात्री चलती ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच फंस गया। ट्रेन के साथ करीब 50 मीटर तक घिसटता चला गया। तभी वहां मौजूद GRP कर्मियों ने दौड़कर यात्री को पकड़ लिया और बाहर खींच लिया। जीआरपी के मुताबिक, मंगलवार रात 9:35 बजे अहमदाबाद जाने के लिए साबरमती एक्सप्रेस (19167) प्लेटफॉर्म नंबर-5 पर पहुंची थी। इस दौरान एक यात्री ट्रेन के रुकने से पहले ही अंदर चढ़ने की कोशिश करने लगा।

डीडीयू हॉस्पिटल में रोज 2 हजार की ओपीडी

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश पुलिस की 51वीं वार्षिक शूटिंग प्रतियोगिता में अलीगढ़ पुलिस के निशानेबाजों ने 2 गोल्ड, 1 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज समेत कुल 6 पदक जीते हैं। सीतापुर में हुई रायफल, रिवॉल्वर, पिस्टल स्पोर्ट्स एवं एलार्म एफिसिएंसी रेस प्रतियोगिता-2026 में अलीगढ़ के खिलाड़ियों ने अलग-अलग स्पर्धाओं में पदक हासिल किए। प्रतियोगिता से लौटने के बाद एसएसपी ने पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

बांके बिहारी मंदिर में चांदी-सोने, पुराने नोटों की होगी जांच

भंडारियों की संख्या सीमित होगी, मथुरा में हाई पावर मैनेजमेंट कमेटी का फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर की व्यवस्थाओं को लेकर हाई पावर मैनेजमेंट कमेटी की 19वीं बैठक मंगलवार देर शाम हुई। लक्ष्मण शहीद स्मारक स्थित कमेटी ऑफिस में करीब दो घंटे चली बैठक में 7 मुद्दों पर चर्चा की गई। इसमें भगवान के चांदी और सोने से बने सिंहासन, झूला, रथ और दूसरी वस्तुओं का इस्तेमाल नहीं होने का मुद्दा उठा। बैंक के लॉकर में रखे करीब 50 लाख रुपए के पुराने नोटों को लेकर भी जांच की बात कही गई। कमेटी ने श्रद्धालुओं की सुविधाओं और मंदिर की व्यवस्थाओं को और बेहतर करने पर भी चर्चा की। बैठक की अध्यक्षता कमेटी के अध्यक्ष और रिटायर्ड न्यायाधीश अशोक कुमार ने की। सबसे पहले मंदिर में व्याप्त अनियमितताओं को दूर करने पर चर्चा हुई। अशोक कुमार ने बताया कि मंदिर में भंडारियों के अलावा भी

कुछ ऐसे लोग मौजूद रहते हैं, जो इसके लिए पात्र नहीं हैं। आरोप है कि ये लोग श्रद्धालुओं के दान को लेकर थैली में रख लेते हैं। 25 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने इस व्यवस्था को लेकर आदेश दिए थे। अब इस पर रोक लगाने की कोशिश की जा रही है। भंडारियों की संख्या भी सीमित की जाएगी। कमेटी का कहना है कि मंदिर में जरूरत से ज्यादा भंडारियों की आवश्यकता नहीं है। पिछले कुछ उत्सवों में भक्तों की ओर से दान किए गए चांदी के रथ, शेष सिंहासन, सोने-चांदी की नौका, हाथी सूंड सिंहासन, सूर्यप्रभा और चंद्रप्रभा सिंहासन इस साल परंपरा के अनुसार नहीं लगाए गए।

फिल्म हिट होने पर लिया आशीर्वाद, बोलीं-शूटिंग के दौरान कई चमत्कार देखे

प्रेमानंद महाराज से मिलने वृंदावन पहुंची हनुमान अंश की प्रोड्यूसर

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। बाबा नीम करौरी महाराज के शुरुआती जीवन पर बनी फिल्म 'हनुमान अंश' की प्रोड्यूसर अनुप्रिया नागर बुधवार दोपहर वृंदावन पहुंचीं। उनके साथ उनके माता-पिता भी थे। उन्होंने संत प्रेमानंद महाराज के आश्रम जाकर उनके दर्शन किए। उनका आशीर्वाद लिया। प्रेमानंद महाराज ने उनसे कहा कि वह सच्चाई के साथ धर्म के रास्ते पर चल रही हैं, इसलिए उन्हें जो चाहिए, वह अवश्य मिलेगा। इसके बाद वह रामायण रिसर्च कॉन्सिल की ओर से हो रहे रामायणी सम्मान प्रोग्राम में पहुंची। कार्यक्रम की शुरुआत हनुमान चालीसा के पाठ से हुई। वहां मौजूद लोगों ने

हनुमान चालीसा का पाठ किया। उन्होंने फिल्म की सफलता के उन्हें आशीर्वाद भी दिया। इसके बाद मीडिया से बात की और कहा कि फिल्म की शूटिंग के दौरान मैंने कई चमत्कार देखे।

अनुप्रिया ने बताया कि फिल्म रिलीज होने के बाद शुरुआती दो-तीन हफ्तों में उसे ज्यादा सफलता नहीं मिली। इससे उन्हें थोड़ी निराशा हुई। इसके बाद वह बागेश्वर धाम पहुंचीं, जहां उनकी मुलाकात धीरेंद्र शास्त्री से हुई। धीरेंद्र शास्त्री ने उन्हें सनातन के लिए काम करने पर आगे बढ़ने का हौसला दिया। इसके बाद फिल्म ने रफ्तार पकड़ी और उसे सफलता मिलने लगी।

अनुप्रिया नागर बोलीं- बाबा की कहानी भारतीयों तक पहुंचनी चाहिए

अनुप्रिया नागर ने संवाददाता से बात करते हुए कहा- मुझे बाबा नीम करौरी महाराज के बारे में एक कंपनी के सीईओ के जरिए जानकारी मिली थी। मैंने सोचा कि बाबा के बारे में जानकारी किसी विदेशी व्यक्ति से मिलने के बजाय भारतीय लोगों तक खुद पहुंचनी चाहिए। इसके बाद भारत आईं और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोगों से मिलीं।

फिल्म की शूटिंग के दौरान कई चमत्कार देखे

अनुप्रिया ने कहा कि फिल्म के एक गाने में लाइन है- 'तेरे ही भरोसे हनुमान, सागर में नैय्या डाल दी।' उनके लिए भी यही बात सही सबित हुई। वह हनुमान जी के भरोसे इस काम में आगे बढ़ीं। फिल्म की शूटिंग के दौरान कई ऐसी घटनाएं हुईं। जिन्हें टीम ने चमत्कार माना। शूटिंग के दौरान एक जगह लोगों ने उन्हें बताया कि वहां करीब 15 साल से लंगूर नहीं आया था। लेकिन शूटिंग के वक्त हनुमान जी की प्रतिमा रखे जाने के समय वहां एक लंगूर आया और भंडारे का प्रसाद खाया।

मुरादाबाद में छात्र की हत्या के दो दोषियों को उम्रकैद

1.10 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया, 2015 में हुआ था अपहरण

तमसा संकेत, एजेंसी

बिलारी। मुरादाबाद कोर्ट ने छात्र सौरभ सक्सेना के अपहरण और हत्या मामले में फैसला सुनाया है। कोर्ट ने दो मुख्य दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह घटना सिविल लाइन्स थाना क्षेत्र की एक फिटनेस एकेडमी में हुई थी। अदालत ने सबूतों और गवाहों के आधार पर आरोपियों को सजा के साथ 1 लाख 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। यह मामला 06 फरवरी 2015 का है। मुरादाबाद के सिविल लाइन्स थाना क्षेत्र की रामगंगा विहार कॉलोनी में स्थित 'बॉडी फ्यूल फिटनेस एकेडमी' से 22 साल के सौरभ सक्सेना का अपहरण कर लिया गया था। आरोपियों ने सौरभ की हत्या

कर दी थी। इसके बाद शव को मझोला थाना क्षेत्र में छिपा दिया था। मृतक के भाई गौरव सक्सेना की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस जांच (निरीक्षक नरेंद्र कुमार भटनागर द्वारा) के बाद यह केस ए.डी.जे.-1 कोर्ट में पहुंचा। सरकारी वकील राजीव कौशिक की दलीलों और सबूतों के आधार पर न्यायाधीश अनिल कुमार ने दोनों आरोपियों को दोषी ठहराया। अदालत ने आरोपी खुर्शीद आलम पुत्र निजामुद्दीन अंसारी और शानी उर्फ सदफ शाह पुत्री मौ. इमरान खान को भारतीय दंड संहिता की धारा 364 (अपहरण), 302 (हत्या), 201 (सबूत मिटाना) और 34 के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

लात-घूंसों और थप्पड़ों से मारपीट का वीडियो सामने आने के बाद आरपीएफ ने शुरू की जांच

गीता जयंती एक्सप्रेस के कोच में महिला यात्री को फर्श पर गिराकर बेरहमी से पीटा

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। गीता जयंती एक्सप्रेस के एक कोच में महिला यात्री के साथ मारपीट का वीडियो सामने आने के बाद रेलवे सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। वायरल वीडियो में एक महिला को फर्श पर गिराकर कुछ लोग लात-घूंसों और थप्पड़ों से मारते हुए दिखाई दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि ट्रेन में यात्रा के दौरान किसी बात को लेकर महिला का कुछ यात्रियों से विवाद हुआ था। शुरुआत में मामला कहासुनी तक सीमित था, लेकिन कुछ ही देर में विवाद बढ़ गया और स्थिति मारपीट तक पहुंच गई। इसी दौरान महिला को कुछ लोगों द्वारा घेरकर पीटे जाने का वीडियो सामने आया है। महिला को बचाने पहुंचे यात्री के साथ भी मारपीट किए जाने का दावा, वीडियो सामने आने के बाद घटना को लेकर बढ़ी चिंता

घटना के दौरान महिला को बचाने के लिए एक अन्य यात्री के आगे आने की भी जानकारी सामने आई है। दावा किया जा रहा है कि महिला की मदद करने पहुंचे यात्री के साथ भी मारपीट की गई। हालांकि, पूरे घटनाक्रम की अभी आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं हुई है। वीडियो सामने आने के बाद यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। खासतौर पर ट्रेन के अंदर विवाद होने की स्थिति में सुरक्षा बलों की मौजूदगी और तत्काल हस्तक्षेप को लेकर सवाल उठ रहे हैं। वायरल वीडियो में फर्श पर गिरी महिला के साथ कई लोग करते

सामने आए वीडियो में महिला फर्श पर गिरी हुई दिखाई दे रही है और कुछ लोग उसके साथ मारपीट करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में लात और थप्पड़ों से महिला को पीटने का दृश्य दिखाई देता है। हालांकि, वीडियो छोटा होने के कारण विवाद की शुरुआत कैसे हुई और उससे पहले क्या हुआ था, इसकी पूरी जानकारी सामने नहीं आई है।

दिखे मारपीट, घटना का पूरा वीडियो और वीडियो की जानकारी मिलते ही RPF ने शुरू की जांच, संबंधित कोच के CCTV फुटेज से आरोपियों की

झांसी से आगरा मंडल तक रेलवे अधिकारी जुटा रहे घटना से जुड़ी जानकारी, यात्रियों की पहचान का भी किया जा रहा प्रयास

मामले की गंभीरता को देखते हुए झांसी से लेकर आगरा मंडल तक के अधिकारी घटना से जुड़ी जानकारी जुटा रहे हैं। ट्रेन के संचालन, संबंधित कोच और उसमें मौजूद यात्रियों के बारे में जानकारी एकत्र की जा रही है। जांच के दौरान वीडियो की सत्यता और उसमें दिखाई दे रहे लोगों की पहचान भी की जाएगी। इसके अलावा यह पता लगाने का प्रयास होगा कि घटना के समय ट्रेन में सुरक्षा कर्मियों की मौजूदगी थी या नहीं।

पहचान करने की कोशिश घटना की जानकारी सामने आने के बाद रेलवे सुरक्षा तंत्र सक्रिय हो गया है। RPF की ओर से मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जांच के दौरान संबंधित ट्रेन और कोच की जानकारी जुटाई जा रही है।

पृष्ठ 01 का शेष...

रेलवे के 3 मल्टी...

वहीं, बिलासपुर (उसलापुर)-पेंड्रा रोड सेक्शन में तीसरी लाइन का निर्माण किया जाएगा। इन परियोजनाओं से हर साल करीब 27 मिलियन टन अतिरिक्त माल ढुलाई की क्षमता विकसित होगी। इससे उद्योगों तक कच्चा माल पहुंचाने और तैयार माल को बाजार तक ले जाने में मदद मिलेगी। साथ ही, माल परिवहन की लागत कम करने में भी फायदा हो सकता है। सरकार ने इस कमी को करीब 2.48 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर बताया है। इससे देश के जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने और लॉजिस्टिक्स लागत कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

हम उनमें से नहीं...

राधा-कृष्ण की वेशभूषा में आए बच्चों को देखकर सीएम ने उन्हें दुलार किया और खिलौने भी दिए। संध्या ने बताया- हमने बच्चों की लंबाई और वजन मापा। रोज उनकी लंबाई और वजन नापे। बच्चों को साफ-सुथरा और पौष्टिक आहार दिया। बच्चों की माताओं से भी मिली। उन्हें बताया कि घर में पौष्टिक भोजन बनाएं और बच्चों को मौसमी फल-सब्जियां दें। उन्होंने बताया कि माताओं को खिचड़ी में पालक और गाजर डालकर बनाने के लिए भी समझाया। ये सब हमने माताओं को बताया। योगी ने पूछा- टेक होम राशन से बच्चों को क्या लाभ मिला? संध्या ने बताया- शुरुआत में कुछ लोगों ने शिकायत की। इसके बाद मैंने महिलाओं को समझाया। सरकार बच्चों की उम्र के हिसाब से खाने में चीनी और नमक का अनुपात रख रही है। संध्या ने बताया- बच्चों की माताओं को बुलाकर उन्हें समझाएं कि बच्चों को कैसे खाना खिलाना है और उम्र के हिसाब से डाइट क्या रहेगी। योगी ने कहा कि काशी पावन भूमि है। यह सनातन की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक राजधानी है और दुनिया के सबसे लोकप्रिय राजनेता के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कर्मसाधना की भूमि भी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने विजन से काशी की पुरातन पहचान को सुरक्षित रखते हुए उसे नए कलेवर में एक नई पहचान दी है। आज काशी एक नई आभा और नई काया के साथ पूरी दुनिया को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। उन्होंने कहा कि आप में से बहुत-सी आंगनबाड़ी बहनें ऐसी होंगी, जिन्होंने 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति देखी होगी। योगी ने कहा कि शासन का एजेंडा और सरकार का विजन आखिर क्यों जमीनी धरातल पर नहीं उतर पाया था? आज जब हम 'पीएम मातृ वंदना योजना' के सफलतम 10 वर्ष पूरे होने के साथ ही 'पोषण माह' के 9वें वर्ष में इस कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहे हैं, तो ढेर सारे सवाल हम सबके सामने स्वतः उभरकर आते हैं। उन्होंने कहा कि मैं उत्तर प्रदेश की ही बात करता हूं। जब मैं जिलों के भ्रमण पर जाता हूं तो आंगनबाड़ी केंद्रों और वहां संचालित बाल वाटिकाओं का निरीक्षण करने जरूर जाता हूं। वहां चलने वाली गतिविधियों को नजदीक से देखता हूं। मुझे लगता है कि आज जो परिवर्तन आया है, वह प्रधानमंत्री जी के विजन का परिणाम है। केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि मजबूत और समृद्ध भारत के लिए पोषित बचपन सबसे पहली शर्त है। जनभागीदारी से पोषण अभियान को नई ऊर्जा और गति मिलती है। उन्होंने बताया कि देशभर में 2 लाख आंगनबाड़ी केंद्रों को 'सक्षम आंगनवाड़ी' के रूप में अपग्रेड किया जा रहा है। यूपी में करीब 24 हजार केंद्रों को इसकी मंजूरी मिल चुकी है, जहां एलईडी स्क्रीन, शुद्ध पेयजल और आधुनिक ECCE सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। 'पीएम मातृ वंदना योजना' के तहत देशभर में 4.65 करोड़ से अधिक माताओं के खातों में 21 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा डीबीटी के जरिए भेजे जा चुके हैं। महिलाओं की सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए सरकार की विभिन्न योजनाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि यूपी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री के 'वुमेन लेड डेवलपमेंट' के विजन को प्रभावी तरीके से लागू किया है। 'जीरो टॉलरेंस' और त्वरित न्याय की नीतियों से प्रदेश की बेटियों के लिए सुरक्षित और भयमुक्त माहौल तैयार हुआ है। सीएम ने गोरखपुर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संध्या से बात की। सीएम ने पूछा कि केंद्र में जो अति कुपोषित बच्चे हैं, उन्हें सामान्य श्रेणी में लाने के लिए आपने क्या प्रयास किया?

संध्या ने बताया कि हमने बच्चों को लंबाई और वजन किया। रोज उनकी वजन और लंबाई नापी। बच्चों को साफ सुथरा और पौष्टिक आहार दिया। बच्चों की मांओं से मिली। मैंने उन्हें बताया कि घर में पौष्टिक भोजन बनाएं। मौसमी फल-सब्जी बच्चों को दें। खिचड़ी में पालक-गाजर डालकर बनाएं। ये सब हमने माताओं को समझाया। योगी ने पूछा कि टेक होम राशन से बच्चों को क्या लाभ मिला। संध्या ने बताया कि शुरू-शुरू में कुछ लोगों ने शिकायत की। फिर मैंने महिलाओं को समझाया। सरकार बच्चों की उम्र के हिसाब से खाने में चीनी और नमक का अनुपात रख रही है। तमिलनाडु की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अन्नामलाई ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र में जन्म देने के बाद एक मां का निधन हो गया था। बच्चे को अपने बच्चे की तरह पाला। अब बच्चे को स्वस्थ्य देखकर मुझे बहुत खुशी होती है। सीएम योगी ने उड़ीसा से आईं आंगनबाड़ी से बात की। योगी ने कहा कि आदर्श आंगनबाड़ी केंद्र बनाने के लिए आपके स्तर से क्या प्रयास हुआ? कुपोषित बच्चों के जीवन में कैसे परिवर्तन हुआ? आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने जवाब दिया। आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों का बौद्धिक, शारीरिक विकास हुआ है। वहीं गुजरात की भावना बेन से मंत्री अन्नपूर्णा ने बात की। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियोंने बताया कि वह बच्चों को खाने में क्या-क्या खाने में देते हैं। योगी ने कहा कि शासन का एजेंडा और सरकार का विजन आखिर क्यों जमीनी धरातल पर नहीं उतर पाया था? आज जब हम 'पीएम मातृ वंदना योजना' के सफलतम 10 वर्ष पूरे होने के साथ ही 'पोषण माह' के 9वें वर्ष में इस कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहे हैं, तो ढेर सारे सवाल हम सबके सामने स्वतः उभरकर आते हैं।

5 राज्यों के चुनाव ...

पुडुचेरी में BJP ने 11.90 करोड़ रुपए खर्च किए। इसमें 9.19 करोड़ रुपए सामान्य प्रचार और 2.71 करोड़ रुपए उम्मीदवारों पर खर्च हुए। कांग्रेस ने पांचों राज्यों में सामान्य पार्टी प्रचार पर 143 करोड़ रुपए और उम्मीदवारों पर 105.55 करोड़ रुपए खर्च किए। इस तरह उसका कुल चुनावी खर्च 248.55 करोड़ रुपए रहा। कांग्रेस के केंद्रीय मुख्यालय ने पांचों राज्यों में सामान्य प्रचार पर 40.52 करोड़ रुपए खर्च किए। राज्य और स्थानीय इकाइयों ने इसी मद में 102.49 करोड़ रुपए खर्च किए। कांग्रेस के सामान्य प्रचार खर्च में केरल का हिस्सा सबसे ज्यादा रहा। वहां पार्टी ने 59.28 करोड़ रुपए खर्च किए। केरल में कांग्रेस ने लेफ्ट फ्रंट को सत्ता से हटाया था। इसके बाद असम में सामान्य प्रचार पर 22.62 करोड़ रुपए खर्च किए।

शुभेंदु अधिकारी ने ...

उस कार्यक्रम में करीब 10 हजार लोगों ने 'वंदे मातरम्' का पूरा संस्करण गाया था। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को इस साल की दुर्गा पूजा के लिए कई नए निर्देशों की घोषणा की। इसमें महाअष्टमी पर शराब की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध और विसर्जन जुलूस के दौरान डीजे के इस्तेमाल पर प्रतिबंध शामिल है। प्रशासन ने पूजा के बाद होने वाले मेले को भी रद्द कर दिया है। यह आयोजन पूर्व सीएम ममता बनर्जी के कार्यकाल के दौरान शुरू किया गया था। दुर्गा पूजा के दौरान आयोजित होने वाले मेले केवल मनोरंजन का साधन नहीं हैं, बल्कि ये बंगाल की सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक हैं। ये मेले लोगों को एक-दूसरे से जुड़ने, सामुदायिक भावना को मजबूत करने और पारंपरिक कला व हस्तशिल्प को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करते हैं।

सितंबर 2023 में पाकिस्तान को पीछे छोड़ा, तब से नंबर-1, न्यूजीलैंड दूसरे स्थान पर

भारत 35 महीने से आईसीसी वनडे रैंकिंग में टॉप पर

शानदार

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टीम ने ICC वनडे टीम रैंकिंग में नंबर-1 की पोजिशन बरकरार रखी है। ताजा रैंकिंग में उसके 116 रेटिंग पॉइंट्स हैं। न्यूजीलैंड 109 रेटिंग के साथ दूसरे और ऑस्ट्रेलिया 102 रेटिंग के साथ तीसरे नंबर पर है।

भारतीय टीम सितंबर 2023 में पाकिस्तान को पीछे छोड़कर वनडे रैंकिंग में टॉप पर पहुंची थी। टीम तब से यानी पिछले 35 महीने 18 दिन से टॉप पर बरकरार है।

दक्षिण अफ्रीका मौजूदा रैंकिंग में 102 रेटिंग पॉइंट्स के साथ चौथे स्थान पर है। पाकिस्तान 100 रेटिंग के साथ पांचवें और श्रीलंका 96 रेटिंग के साथ छठे नंबर पर है। इंग्लैंड 93 रेटिंग के साथ सातवें और अफगानिस्तान 92 रेटिंग के साथ आठवें स्थान पर है। बांग्लादेश नौवें और वेस्टइंडीज 10वें स्थान पर है।

ICC की टीम रैंकिंग में टीम के मैचों के नतीजों के साथ उसके प्रदर्शन की निरंतरता को भी ध्यान में रखा जाता है। हर टीम की रेटिंग उसके प्रदर्शन और संबंधित मैचों के रेटिंग-वेट के आधार पर तय होती है। इसलिए केवल पॉइंट्स की संख्या से रैंक तय नहीं होती, बल्कि पॉइंट्स और मैचों के आधार पर बनी रेटिंग महत्वपूर्ण होती है।

भारत ने 2013 में इंग्लैंड को 3-2 से हराया था। इसके साथ ही भारत पहली बार ICC वनडे रैंकिंग में नंबर-1 बना था।

> भारतीय क्रिकेट टीम जनवरी 2013 में एमएस. धोनी की कप्तानी में पहली बार आईसीसी वनडे रैंकिंग में नंबर-1 टीम बनी थी। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की घरेलू वनडे सीरीज 3-2 से जीतकर यह ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया था।

आयरलैंड ने भारत को वनडे में अब तक कभी नहीं हराया है। हालांकि, उसने इसी साल टी-20 सीरीज में भारत को हराया था।

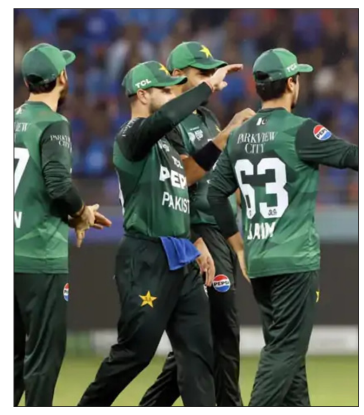

जिम्बाब्वे 11वें, आयरलैंड 12वें स्थान पर

टॉप-10 के बाद जिम्बाब्वे 63 रेटिंग के साथ 11वें स्थान पर है। आयरलैंड 51 रेटिंग के साथ 12वें और स्कॉटलैंड 45 रेटिंग के साथ 13वें नंबर पर है। नीदरलैंड्स 14वें, अमेरिका 15वें और नामीबिया 16वें स्थान पर है।

जूनियर एशिया कप-भारतीय हॉकी टीम सेमीफाइनल में पहुंची

चीनी ताइपे को 15-0 से हराकर से हराया

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम AHF जूनिय एशिया कप के सेमीफाइनल में पहुंच गई है।

मोकी में खेले जा रहे टूर्नामेंट में पूल-A के आखिरी मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने चीनी ताइपे को 15-0 से हरा दिया।

कप्तान अनमोल एक्का ने पेनल्टी कॉर्नर से 6 गोल दागे और टीम को बड़ी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। चीनी ताइपे के डिफेंस ने पहले क्वार्टर में भारतीय टीम को गोल करने से रोके रखा। वहीं, दूसरे क्वार्टर में भारतीय टीम ने पूरी तरह मैच पर कब्जा कर लिया। आर्यन एक्सेस, प्रभदीप सिंह और गुरसेवक सिंह ने पांच मिनट के अंदर तीन गोल किए। इसके बाद अनमोल एक्का ने दो गोल, जबकि अर्जुन संतोष हर्गुड़े ने एक गोल किया। हाफ-टाइम तक भारत 6-0 से आगे था। अनमोल ने लगातार पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलते हुए अपनी हैट्रिक पूरी की और फिर चौथा गोल भी किया। अजीत यादव ने 35वें मिनट में गोल किया, जबकि 45वें मिनट में अनमोल ने अपना पांचवां गोल कर भारत को 10-0 की बढ़त दिला दी। आखिरी क्वार्टर में हरपाल ने दो गोल किए, अनमोल ने छठा गोल दागा और आर्यन एक्सेस ने भी दो गोल कर भारत की बढ़त 15-0 कर दी। इस जीत के साथ पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम ने पूल-A में अपना अभियान 10 अंकों के साथ टॉप पर खत्म किया। भारत ने तीन मैच जीते और एक ड्रॉ खेला। साउथ कोरिया 9 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा और सेमीफाइनल में पहुंचा। जापान, इंडोनेशिया और चीनी ताइपे अब खिताब की रेस से बाहर हो गए हैं और क्लासिफिकेशन मैच खेलेंगे।

डिफेंडिंग चैंपियन अल्काराज यूएस ओपन से बाहर अमेरिका के बेन शेल्टन ने हराया

फ्रांसेस टियाफो और पेगुला-सबालेंका भी अंतिम-4 में

नई दिल्ली। डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज US ओपन से बाहर हो गए हैं। न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मेंस क्वार्टरफाइनल में अमेरिकी खिलाड़ी बेन शेल्टन ने उन्हें पांच सेट के मुकाबले में 6-7, 6-1, 6-3, 1-6, 7-6 से हराया।

इससे पहले फ्रांसेस टियाफो ने एलेक्स माइकेल्सन को पांच सेट में हराकर तीसरी बार US ओपन सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। अब सेमीफाइनल में टियाफो का सामना हमवतन शेल्टन से होगा।

विमेंस सिंगल्स में अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने हमवतन एमा नवारो को 3-6, 6-4, 6-3 से हराकर लगातार तीसरे साल US ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई। वहीं, वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने लिंडा नोस्कोवा को 7-6, 3-6, 7-6 से हराकर लगातार छठी बार अंतिम-4 में प्रवेश किया।

पहले सेट में अल्काराज ने 5-4 की बढ़त बनाई, लेकिन शेल्टन ने वापसी कर स्कोर बराबर कर दिया और सेट टाईब्रेकर में पहुंचा। शेल्टन यहां 5-3 से आगे थे, लेकिन अल्काराज ने लगातार चार अंक जीतकर टाईब्रेकर 7-5 से अपने नाम कर लिया। इसके बाद शेल्टन ने वापसी की और दूसरे सेट में 6-1 से जीत हासिल की।

तीसरे सेट में भी उन्होंने दबाव बनाए रखा और 6-3 से जीतकर 2-1 की बढ़त ले ली। दूसरे और तीसरे सेट के बीच शेल्टन ने लगातार नौ गेम जीते। हालांकि, अल्काराज ने चौथे सेट में वापसी करते हुए 6-1 से जीत दर्ज की और मुकाबले को निर्णायक सेट में पहुंचा दिया। पांचवें सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ और सेट टाईब्रेकर तक पहुंचा, जहां शेल्टन ने 10-7 से जीत दर्ज कर मैच अपने नाम कर लिया।

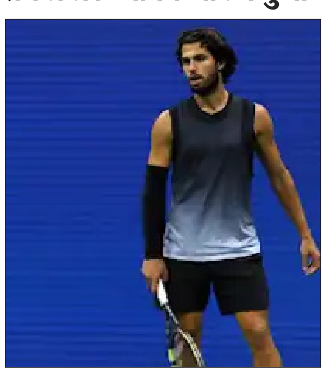

> बेन शेल्टन ने डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। शेल्टन ने पहला सेट टाईब्रेकर में गंवाने के बाद शानदार वापसी की और 4 घंटे 28 मिनट चले मुकाबले को निर्णायक सेट के टाईब्रेकर से अपने नाम किया।

रोहित-कोहली के 2027 वर्ल्ड कप खेलने पर नेहरा बोले: 13 महीने लंबा समय होता है

'अभी कुछ भी कहना मुश्किल'

नई दिल्ली। रोहित शर्मा और विराट कोहली के 2027 वनडे वर्ल्ड कप खेलने को लेकर पूर्व भारतीय गेंदबाज आशीष नेहरा ने कहा कि वर्ल्ड कप करीब 13 महीने दूर है। इस समय यह कहना बहुत मुश्किल है कि दोनों खिलाड़ी टूर्नामेंट में होंगे या नहीं।

भारत वर्ल्ड कप से पहले वनडे फॉर्मेट में कम मैच खेलेगा। ऐसे में हर सीरीज के बीच लंबे अंतराल की वजह से रोहित और कोहली के वनडे भविष्य पर चर्चा हो रही है। 2027 का वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका में होना है।

नेहरा ने अपनी बात समझाने के लिए गुजरात टाइटन्स के कप्तान शुभमन गिल का उदाहरण दिया। गिल टेस्ट और वनडे में भारतीय टीम की योजनाओं का अहम हिस्सा हैं, लेकिन मौजूदा टी-20 टीम में उन्हें जगह नहीं मिली है।

नेहरा ने कहा- 'हम गिल और बुमराह की बात करते हैं, लेकिन शुभमन भी टी-20 टीम में नहीं हैं। जिस तरह क्रिकेट आगे बढ़ रहा है, वह तेज रफ्तार वाला है और कई फॉर्मेट आ रहे हैं।'

उन्होंने कहा- 'अगर दोनों लगातार रन बनाते हैं तो उन्हें वर्ल्ड कप की दौड़ से बाहर नहीं किया जा सकता। लेकिन अगर आप या मैं कोच होते, तो भी यह सिर्फ मेरा फैसला नहीं होता। BCCI में सिलेक्टर्स और दूसरे लोग भी निर्णय में शामिल होते हैं।' सैकिया ने कहा था- रोहित ने आखिरी मैच में शतक लगाया था, तो अफवाह क्यों है। सैकिया ने कहा था- रोहित ने आखिरी मैच में शतक लगाया था, तो अफवाह क्यों है। रोहित और विराट ने अपना आखिरी वनडे मैच इसी साल जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। इस मैच में दोनों 400वीं बार इंटरनेशनल मुकाबले में उतरे। वे यह उपलब्धि हासिल करने वाली भारत की पहली जोड़ी बनी थी। सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ 391 मैच के साथ दूसरे नंबर पर है।

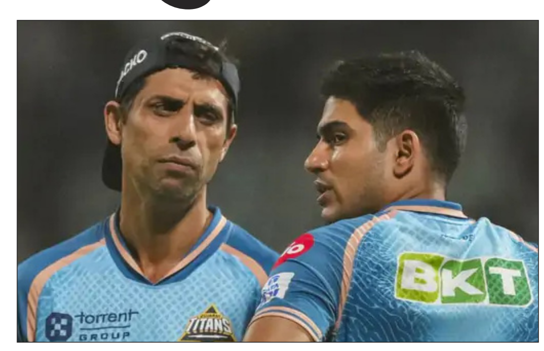

> नेहरा ने कोलकाता में क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के सालाना पुरस्कार समारोह में कहा कि भारतीय क्रिकेट तेजी से बदल रहा है। इसलिए बड़े खिलाड़ी भी अपनी जगह को पक्का नहीं मान सकते।

सैकिया ने रोहित को लेकर कहा था- वे अच्छा खेल रहे

BCCI सचिव देवजीत सैकिया ने हाल ही में रोहित के टीम में जगह को लेकर उठ रहे सवालों पर कहा था- 'रोहित शर्मा लगातार अच्छा खेल रहे हैं। आखिरी मैच में उन्होंने शतक लगाया, अब आप और क्या चाहते हैं? अफवाह क्यों है? मैं अफवाहों को हवा नहीं दूंगा।'

मनोरंजन

मां का बेबी बंप निहारती नजर आईं, पिता के साथ मस्ती की, जल्द हो सकती है दीपिका की डिलीवरी

बेटी दुआ के बर्थडे पर दीपिका रणवीर ने कराया फोटोशूट

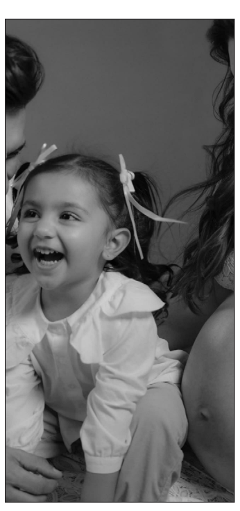

नई दिल्ली। दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह जल्द ही अपने दूसरे बच्चे का स्वागत करने वाले हैं। दूसरी बच्चे का ऐलान इस साल की शुरुआत में करने के बाद कपल ने मंगलवार को फैमिली फोटोशूट की कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। दीपिका-रणवीर के फोटोशूट में उनकी बेटी दुआ भी नजर आ रही हैं। तस्वीरों में दीपिका और रणवीर के साथ दुआ ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा। तस्वीरों के साथ रणवीर सिंह ने कैप्शन में लिखा है, "बेबी दुआ और हमारे दिल बड़े हो रहे हैं! आपकी दुआओं के लिए धन्यवाद।" दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने 19 अप्रैल को दूसरी बार पेरेंट्स बनने की गुड न्यूज दी थी। तब भी कपल ने बेटी दुआ की प्रेग्नेंसी किट पकड़े हुए तस्वीर शेयर की थी। दीपिका पादुकोण ने साल 2024 की शुरुआत में प्रेग्नेंसी अनाउंस की, जिसके बाद 8 सितंबर 2024 को उनके घर बेटी का जन्म हुआ था। नवंबर 2024 में कपल ने बेटी का नाम दुआ रखा। शुरुआत में दीपिका-रणवीर ने बेटी की तस्वीरें सार्वजनिक नहीं की थीं। दीवाली के मौके पर दीपिका रणवीर ने फैमिलो फोटोज शेयर कर दुआ का चेहरा रिवील किया था।

- 19 अप्रैल को की थी दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा
- सितंबर 2024 में हुआ था दुआ का जन्म

जल्द हो सकती है दीपिका की डिलीवरी

दीपिका पादुकोण का तस्वीरों में बड़ा बेबी बंप नजर आया है। इससे पहले पिछली प्रेग्नेंसी में भी मेटरनिटी फोटोशूट की तस्वीरें पोस्ट करने के महज एक हफ्ते बाद ही दीपिका ने बेटी को जन्म दिया था। इस बार भी यही हो सकता है। दीपिका ने अप्रैल में प्रेग्नेंसी अनाउंस की, जिसके बाद अब वह 9वें महीने के करीब हो सकती हैं।

> सोशल मीडिया यूजर्स ने दुआ की नई तस्वीर की तुलना दीपिका और रणवीर की पुरानी तस्वीरों से की। ज्यादातर लोगों का कहना था कि दुआ बिल्कुल रणवीर जैसी दिखती हैं।

विजय के खिलाफ मिला ऐसा सबूत, जो सालों से बनाई कहानी को कर सकता है खत्म

'दृश्यम 3' का ट्रेलर हुआ रिलीज

नई दिल्ली, एजेंसी

अजय देवगन स्टारर 'दृश्यमः द कन्क्लूजन' (दृश्यम 3) का ऑफिशियल ट्रेलर बुधवार को रिलीज हो गया। फिल्म 2 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कहानी में 2 अक्टूबर की तारीख एक बार फिर अहम है।

दृश्यम 3 को 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी का आखिरी चैप्टर बताया गया है। इसमें अजय देवगन का किरदार विजय सालगांवकर एक बार फिर अपने परिवार के डार्क सीक्रेट को कानून से बचाने की कोशिश करते नजर आएंगे। ट्रेलर 2 मिनट 52 सेकंड लंबा है।

फिल्म में अजय देवगन विजय, तब्बू IG मीरा देशमुख और श्रिया सरन नंदिनी के किरदार में लौट रही हैं। इस बार जयदीप अहलावत और प्रकाश राज की एंट्री हुई है, जो विजय के खिलाफ जांच को और मजबूत करते हैं।

ट्रेलर में दिखाया गया है कि मामला अब सिर्फ दिमागी खेल नहीं रहा, बल्कि विजय और पुलिस के बीच अस्तित्व की लड़ाई बन चुका है। ट्रेलर में अजय देवगन कहते हैं, "उनके बहुत ही मजबूत सबूत हैं। जयदीप अहलावत फिल्म में क्राइम ब्रांच के SP की भूमिका में हैं। वह विजय को कमतर आंकने के बजाय उसकी समझ और चालाकी को पहचानते हैं। इसी बदलाव के बीच विजय का सामना पहले से ज्यादा खतरनाक चुनौती से होता है। ट्रेलर में प्रकाश राज का किरदार विजय के लिए कहता है, "अनपढ़ है, बेवकूफ नहीं। इसे मैं हल्के में लेने की कोशिश नहीं करूंगा।" वहीं एक अन्य डायलॉग में विजय को "गोवा का सबसे बड़ा हार्ड-वर्किंग क्रिमिनल" कहा गया है। कहानी में दिमागी खेल से आगे बढ़कर किस्मत की भूमिका भी सामने आती है। ट्रेलर में कहा गया है, "अब ये खेल दिमाग का नहीं नसीब का बन चुका है।" विजय का परिवार उसके फैसलों की सबसे बड़ी वजह बना हुआ है।

अजय चाहते हैं मोहनलाल फिल्म देखकर अपनी राय दें

'दृश्यम 3' के ट्रेलर लॉन्च पर अजय देवगन ने फिल्म को लेकर कई बातें बताईं। उन्होंने कहा कि 'दृश्यम 2' के बाद उन्हें पता नहीं था कि इसका तीसरा पार्ट बनेगा या नहीं। उनके मुताबिक, इस फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाना आसान नहीं था। इसमें नए ट्विस्ट और टर्न के साथ कहानी को वहीं से आगे ले जाना था, जहां पिछली फिल्म खत्म हुई थी। अजय ने बताया कि डायरेक्टर अभिषेक पाठक एक आइडिया लेकर आए। सभी को वह पसंद आया। इसके बाद अभिषेक ने करीब ढाई साल तक राइटर्स के साथ काम किया। अजय ने उनकी स्क्रिप्ट को शानदार बताया।

अजय के मुताबिक, सभी को लगा कि 'दृश्यम 3' ही इस कहानी का सही अंत होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कहानी को उसकी ऊंचाई पर खत्म करना बेहतर है।

राजपाल यादव के चेक बाउंस केस में सुप्रीम कोर्ट ने रखी शर्त

जमा करने होंगे इतने करोड़ वरना जाएंगे जेल?

नई दिल्ली। राजपाल यादव को चेक बाउंस के सात मामलों में सुप्रीम कोर्ट की तरफ से कुछ समय के लिए राहत मिली है। हालांकि, अदालत ने उन्हें एक समय सीमा दी है, जिसके अंतराल एक्टर को कोर्ट की रजिस्ट्री के 5 करोड़ रुपए जमा करने होंगे। क्या है राजपाल यादव के चेक बाउंस केस में नई अपडेट, नीचे पढ़ें पूरा मामला। लिव एंड लॉ की रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने सरेंडर करने से 'भूत बंगला' एक्टर राजपाल यादव को टेम्प्रेरी राहत सिर्फ इस शर्त पर दी है कि बुधवार तक अभिनेता कोर्ट में 5 करोड़ रुपए जमा करेंगे। जस्टिस सूर्याकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने मंगलवार को यह आदेश सुनाया। उनके साथ इस बेंच में जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना भी शामिल थे। कोर्ट ने इस मामले में नोटिस भी जारी किया है, जिसकी सुनवाई 15 सितंबर 2026 को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश सुनाते हुए कहा, अगर याचिककर्ता बुधवार तक अदालत की रजिस्ट्री के 5 करोड़ रुपए जमा करवा देते हैं, तो उन्हें सरेंडर से छूट मिल जाएगी।

पार्टी समलैंगिक शादियों के खिलाफ, लेकिन इसे लीड कर रहीं एलिस खुद लेस्बियन, पार्टनर श्रीलंका से

जर्मनी में पहली बार कट्टर दक्षिणपंथी दल चुनाव जीता

परिणाम

नई दिल्ली, एजेंसी

जर्मनी के सैक्सोनी-आनहाल्ट में सितंबर 2026 के चुनाव में अल्टर-नेटिव फॉर जर्मनी पार्टी (AfD) ने बड़ी जीत हासिल की है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद यह पहला मौका है, जब जर्मनी में कोई दक्षिणपंथी पार्टी किसी राज्य में सत्ता के करीब पहुंची है। AfD दूसरे देशों से आकर जर्मनी में बसे लोगों और समलैंगिक शादी के खिलाफ सख्त रुख के लिए जानी जाती है। लेकिन इस पार्टी की कहानी में एक बात सबसे ज्यादा

चौंकाती है। AfD की चीफ एलिस वीडल खुद लेस्बियन हैं। उनकी पार्टनर श्रीलंका में जन्मी हैं। यानी जिस पार्टी की नीतियां समलैंगिक शादी और प्रवासियों के खिलाफ हैं, उसी पार्टी की सबसे ताकतवर नेता की निजी जिंदगी इससे बिल्कुल अलग है। जर्मनी में AfD के बढ़ते प्रभाव के पीछे वीडल का बड़ा हाथ माना जाता है। उनकी राजनीति को समझने के लिए यह जानना जरूरी है कि आखिर एलिस

वीडल के मुताबिक, उन्हें एएफडी में शामिल होने का आइडिया पार्टनर सारा से ही मिला था। एक पार्टी में वीडल लगातार यूरोपीय संघ की राजनीति पर बातें किए जा रही थीं। उनकी लंबी-लंबी बातें सुनकर सारा परेशान हो गईं। उन्होंने वीडल से कहा,अगर राजनीति पर इतनी ही बातें करनी हैं तो खुद राजनीति में क्यों नहीं चली जातीं?

वीडल कौन हैं और वह ऐसी पार्टी का चेहरा कैसे बनीं,

45 साल की एलिस वीडल की पार्टनर श्रीलंकाई मूल की महिला हैं। वह फिल्ममेकर हैं।

जिसकी सोच उनकी अपनी जिंदगी से बिल्कुल अलग है? जर्मन अखबार डाय वेल्ट के मुताबिक वीडल का बचपन ऐसे माहौल में बीता, जहां राजनीति को लेकर काफी चर्चा होती थी। हालांकि, उनके माता-पिता किसी राजनीतिक पार्टी से जुड़े नहीं थे। वीडल के दादा हंस वीडल हिटलर की नाजी पार्टी से जुड़े हुए थे।

टीचर को चिढ़ाने के लिए मर्सिडीज से स्कूल जाती थीं

अपने स्कूली दिनों को लेकर वीडल ने बताया कि उनके स्कूल के ज्यादातर शिक्षक वामपंथी विचारधारा से प्रभावित थे। वह कहती हैं,

वे मुझे पसंद नहीं करते थे और मैं भी उन्हें पसंद नहीं करती थी। उनको चिढ़ाने के लिए मैं अपने पिता की मर्सिडीज से स्कूल जाती थी स्कूली दिनों में वीडल डॉक्टर बनना चाहती थीं। पिता इसके खिलाफ थे। उनका कहना था कि डॉक्टर की पूरी जिंदगी बीमार लोगों के बीच गुजरती है। ऐसे पेशे में जाने का कोई मतलब नहीं है। पिता की सलाह पर वीडल ने इकोनॉमिक्स और बिजनेस की पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने बैंकिंग और बिजनेस में करियर शुरू किया। कुछ समय उन्होंने अमेरिकी इनवेस्टमेंट कंपनी गोल्डमैन सैक्स में काम किया। इसके बाद वह चीन चली गईं।

इस दौरान उनकी काफी तरक्की हुई। हिटलर ने उन्हें 1941 में नाजी कब्जे वाले वारसॉ में सैन्य न्यायधीश बनाया था। वीडल परिवार तब सिलेसिया में रहता था। अब यह पोलैंड का इलाका है। दूसरे विश्व युद्ध में जब हिटलर की हार हुई तो वीडल भागकर पश्चिमी जर्मनी पहुंचे। यहां वीडल परिवार ने फर्नीचर का काम शुरू किया। 1979 में एलिस वीडल का जन्म

AfD चीफ एलिस वीडल चुनाव के बाद रविवार को बर्लिन स्थित पार्टी मुख्यालय में जर्मनी का झंडा लहराती हुईं।

मंदारिन सीखी, चीन की अर्थव्यवस्था समझी

चीन में वीडल ने बैंक ऑफ चाइना में काम किया और 5 साल तक वहां रहीं। इसी दौरान उन्होंने मंदारिन यानी चीनी भाषा सीखी और बिजनेस कंसल्टेंट के तौर पर भी काम किया।

चीन में रहते हुए उनकी दिलचस्पी वहां की अर्थव्यवस्था में बढ़ी और उन्होंने चीन की पेंशन व्यवस्था के भविष्य पर रिसर्च शुरू की। 2011 में उन्होंने इसी विषय पर डॉक्टरेट पूरी की और फिर जर्मनी ट आईं।

वीडल अर्थशास्त्र पढ़ चुकी थीं, बैंक में काम कर चुकी थीं और चीन में कई साल बिता चुकी थीं। यानी राजनीति में आने से पहले ही उन्हें पैसे, कारोबार और दुनियादारी की अच्छी समझ हो गई थी।

हुआ। वह सिर्फ 6 साल की थीं, जब उनके दादा की मौत हो गई। एलिस के मुताबिक, नाजी शासन के दौरान उनके दादा ने क्या काम किए थे, इस बारे में परिवार में कभी बातचीत नहीं हुई।

फास्ट न्यूज

मॉस्को में गिरफ्तार भारतीय इंजीनियर चंदन गुप्ता रिहा

मॉस्को। उत्तर प्रदेश के कानपुर के रहने वाले चंदन गुप्ता को रूस की राजधानी मॉस्को में गिरफ्तार किया गया था। वहीं अब रूसी सेना से उन्हें रिहा कर दिया है और मॉस्को के अपने घर में वापस लौट आए हैं। रूसी सेना ने चंदन गुप्ता को नशे में एंबुलेंस तोड़-फोड़ करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। उनकी पत्नी स्नेहा गुप्ता ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर चंदन के घर लौटने की पुष्टि की।

यह 1945 का समय नहीं है : महासभा अध्यक्ष रहमान

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष खलीलुर रहमान ने कहा कि वह सुरक्षा परिषद में अर्थपूर्ण सुधार के लिए बहुत गंभीरता से प्रयास करेंगे। मंगलवार (स्थानीय समय) को महासभा के अध्यक्ष के तौर पर शपथ लेने के बाद उन्होंने कहा, अभी ऐसी स्थिति है जहां भरोसे की कमी है और संगठन को भविष्य के लिए खुद को तैयार करने के लिए और गहरे सुधार करने होंगे। महासभा के अध्यक्ष के तौर पर सुधार की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका के बारे में उन्होंने कहा, मैं इसे बहुत गंभीरता से लेता हूं।

यूएस की कार्रवाई पर भड़का ईरान

तेहरान। मिडिल-ईस्ट में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। बुधवार को यूएस सेंट्रल कमांड की ओर से ईरान के पांच तेल टैंकरों को तबाह किए जाने के बाद तेहरान ने भी पलवार किया है। ईरानी मीडिया ने खबर दी कि आईआरजीसी नेवी ने फारस की खाड़ी में 10 जहाजों (जिनमें यूएस के दो जहाज भी शामिल थे) और होर्मुज स्ट्रेट के पास 10 अन्य जहाजों पर हमला किया।

आईफोन में पहली बार डीएसलार कैमरा वाली तकनीक मिलेगी

एंड्रॉएड फोन से बेहतर इमेज क्वालिटी

नई दिल्ली, एजेंसी

एपल आज एनुअल इवेंट में अपने पहले फोल्डेबल फोन के साथ आईफोन 18 सीरीज के प्रीमियम मॉडल 18 प्रो और 18 प्रो मैक्स लॉन्च करने जा रही है।

हर बार की तरह इस बार भी नए आईफोन पहले से ज्यादा एडवांस प्रोसेसर के साथ आएंगे, लेकिन इस बार कैमरे की बात ज्यादा की जा रही है। क्योंकि, आईफोन में पहली बार DSLR कैमरे में इस्तेमाल की जाने वाली वैरिएबल अपर्चर तकनीक देखने को मिलेगी।

आईफोन कैमरा क्वालिटी के लिए दुनियाभर में पॉपुलर हैं। एक ओर जहां एंड्रॉयड स्मार्टफोन्स में ज्यादा मेगापिक्सल वाले कैमरे देने पर फोकस रहता है।

वहीं, आईफोन कम मेगापिक्सल वाले कैमरे होने के बावजूद 200 मेगापिक्सल कैमरे वाले स्मार्टफोन्स

से बेहतर फोटो आती हैं। इसी वजह से कंटेंट क्रिएटर्स भी इसे पसंद करते हैं।

ऐसे में आपके मन में सवाल होगा कि आखिर आईफोन के कैमरों में ऐसा क्या है जो कम मेगापिक्सल के बाद भी बेहतर फोटो और वीडियो शूट करता है?

सभी स्मार्टफोन कैमरे तीन बेसिक पाट्र्स से बने होते हैं। पहला लेंस, जो लाइट को कैमरे के अंदर भेजता है। दूसरा सेंसर, जो लाइट के फोकस से आने वाले छोटे-छोटे टूकड़ों (फोटोन) को इलेक्ट्रिक सिग्नल में बदलता है और तीसरा वह सॉफ्टवेयर है, जो उन इलेक्ट्रिक सिग्नल्स को फोटो में बदलता है।

लेंसः यह बाहर की रोशनी को समेटकर सीधे सेंसर तक पहुंचाता है। लेंस जितना बेहतर होगा, फोटो उतनी साफ आएगी।

यानी सिर्फ मेगापिक्सल बड़ा होने से फोटो अच्छी नहीं आती, बल्कि बेहतरीन लेंस, बड़ा सेंसर और एडवांस्ड सॉफ्टवेयर मिलकर ही शानदार फोटो बनाते हैं।

फोटो कैसी आएगी, यह काफी हद तक सेंसर के साइज और क्वालिटी पर निर्भर करता है।

बड़े पेड़ बने नया स्टेटस सिंबल, नर्सरी में ग्राहकों के लिए हेलीपैड तक

अमेरिकी अरबपतियों में 100 साल पुराने पेड़ लगवाने का क्रेज

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका में अरबपतियों के बीच अब 100 साल पुराने और पूरी तरह विकसित पेड़ लगवाने का क्रेज बढ़ रहा है। महंगी घड़ियां, प्राइवेट जेट और सुपरकार के बाद बड़े पेड़ नया स्टेटस सिंबल बन रहे हैं। अमीर लोग अपने घर और जमीन को तुरंत भव्य दिखाने के लिए ओक, पाम और बरगद जैसे बड़े पेड़ों पर करोड़ों रुपए खर्च कर रहे हैं।

कैलिफोर्निया की नापा वैली में हाल ही में 50 फीट ऊंचे और करीब 100 टन वजनी 100 साल पुराने ओक के पेड़ को क्रेन और हाइड्रोलिक मशीनों से जमीन से निकाला गया।

इसकी जड़ों को सुरक्षित रखने

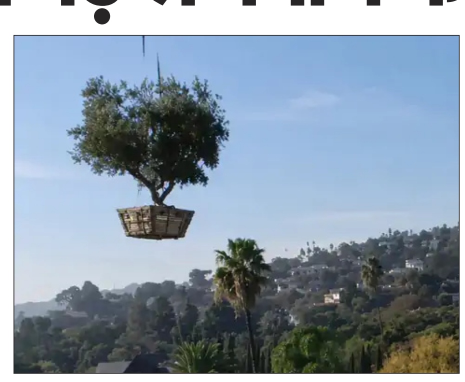

लॉस एंजिल्स में नई जगह लगाए जाने के लिए ले जाया जा रहा पुराना लाइव ओक का पेड़।

के लिए खास इंतजाम किए गए और फिर इसे ट्रकों से दूसरी जगह ले जाया गया। यह क्रेज अब सिर्फ पेड़ लगाने तक सीमित नहीं है। रोड आइलैंड में ओरेकल के लैरी एलिसन और ब्लैकस्टोन के स्टीफन श्वार्जमैन की संपत्तियों के बीच लैंडस्केपिंग को लेकर होड़ की

श्वार्जमैन ने अपनी हवेली को पड़ोसियों की नजरों से छिपाने के लिए चारों ओर 18 फीट ऊंचे 100 से ज्यादा सजावटी पेड़ लगवाए। इन पर 9 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किए गए।

चर्चा है। 50 फीट तक ऊंचे और 100 टन वजनी पेड़ों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाना आसान नहीं है। कई

बरगद के 2 पेड़ों के लिए 4.5 करोड़ रुपए

पाम बीच में एक अरबपति ने अपने लॉन के लिए बरगद के दो पेड़ 4.5 करोड़ रुपए में खरीदे। वहीं, एक अफ्रीकी इमली का पेड़ भी करीब 4.5 करोड़ रुपए में बिका।

अमीर लोग पौधों के बड़ा होने का सालों इंतजार नहीं करना चाहते। इसलिए वे पहले से बड़े पेड़ खरीदकर अपनी संपत्ति को तुरंत भव्य और पुराना लुक दे रहे हैं।

बार इन्हें ले जाने के लिए हाईवे बंद कराने और बिजली के तार हटाने पड़ते हैं। बड़े पेड़ों की बढ़ती मांग से इस कारोबार को भी बढ़ावा मिला है। कुछ नर्सरी मालिक तो अरबपति ग्राहकों के लिए हेलीपैड तक बनवा रहे हैं, ताकि वे हेलिकॉप्टर से आकर अपनी पसंद के पेड़ चुन सकें।

कीमत 1 लाख करोड़ तक ब्रिक्स समिट से पहले मोदी-पुतिन डील साइन कर सकते हैं

योजना : रूस से 75 सुखोई-57 फाइटर जेट ले सकता है भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और रूस के बीच 75 सुखोई-57 फाइटर जेट खरीदने पर समझौता हो सकता है। दोनों देशों के बीच इस डील की शर्तों पर बातचीत आगे बढ़ चुकी है। डील हुई तो इसकी कीमत करीब 1 लाख करोड़ रुपए तक हो सकती है। इसमें विमान के साथ हथियार, पुर्जे, ट्रेनिंग, सिम्युलेटर और रखरखाव भी शामिल होगा। BRICS समिट से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शुक्रवार को नई दिल्ली में मिलेंगे। इस बैठक में सुखोई-57 पर दोनों नेता साइन कर सकते हैं।

भारत चाहता है कि इस डील के साथ उसे ऐसी टेक्नोलॉजी भी मिले,

जो आगे लड़ाकू विमान बनाने के काम आए। रूस, भारत में सुखोई-57 बनाने की पेशकश पहले ही कर चुका है। भारत इस प्रोजेक्ट में अपनी कंपनियों की भागीदारी और जरूरी तकनीक तक पहुंच चाहता है। इसके अलावा रक्षा, परमाणु ऊर्जा और दोनों देशों के बीच सहयोग से जुड़े दूसरे मुद्दों पर भी बात होगी सुखोई-57 रूस के सुखोई-57E का एक्सपोर्ट वर्जन है, यानी इसे दूसरे देशों को बेचने के लिए बनाया गया है। सुखोई-57 E की टॉप स्पीड 2470 किमी/घंटा और रेंज 1250 किमी, जबकि F-35A: टॉप स्पीड 1960 किमी/घंटा और रेंज 1093 किमी है। यानी सुखोई-57E की रफ्तार करीब 25% ज्यादा और रेंज करीब 14% ज्यादा है।

भारत सुखोई-30 को लंबी दूरी की मिसाइल से लैस करेगा

भारत सुखोई-30 MKI की मारक क्षमता बढ़ाने के लिए आर-37एम जैसी लंबी दूरी की मिसाइल चाहता है। यह मिसाइल करीब 300 किमी दूर तक लक्ष्य पर हमला कर सकती है और दुश्मन के अवाक्स जैसे बड़े विमानों को भी निशाना बना सकती है। फिलहाल भारत 63 हजार करोड़ रुपए में 84 सुखोई-30MKI को 'सुपर सुखोई' बना रहा है।

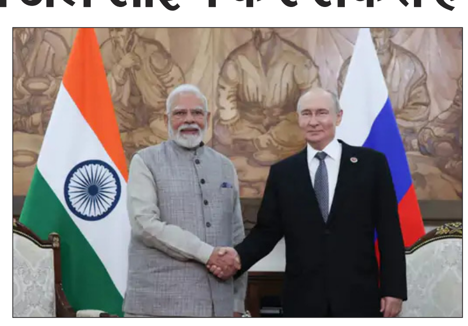

एक्सपर्ट बोले एसयू-57 गेमचेंजर, वायुसेना की ताकत बढ़ा सकता है

भारतीय वायुसेना के रिटायर्ड ग्रुप कैप्टन संदीप मेहता के मुताबिक सुखोई-57 की एंट्री से हवाई लड़ाई का तरीका बदल सकता है। इसकी असली ताकत इस बात में होगी कि इसे राफेल, सुखोई-30 MKI, AWACS, ग्राउंड रडार और एयर डिफेंस सिस्टम से कितनी अच्छी तरह जोड़ा जाता है। युद्ध की शुरुआत में दुश्मन के रडार, कमांड सेंटर और मिसाइल ठिकानों तक पहुंचना सबसे मुश्किल होता है। सुखोई-57 रडार पर देर से पकड़ में आता है, इसलिए इन जगहों तक ज्यादा आसानी से पहुंच सकता है। यह विमान खुद हर लक्ष्य पर हमला करने के बजाय दुश्मन के रडार, एयर डिफेंस और फाइटर की जानकारी पीछे मौजूद भारतीय विमानों तक पहुंचा सकता है। इससे राफेल और सुखोई-30 जैसे दूसरे लड़ाकू विमानों की मारक क्षमता भी बढ़ सकती है।

कच्चा तेल 100 डॉलर पार 6 हफ्ते में सबसे महंगा

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने का असर

नई दिल्ली, एजेंसी

कच्चे तेल यानी क्रूड ऑयल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है। आज यानी 9 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड के दामों में 2.25% का इजाफा हुआ। इसकी वजह अमेरिका-ईरान के बीच फिर तनाव बढ़ना बताया जा रहा है। इस बढ़ोतरी के पहले क्रूड की कीमत 98 बैरल प्रति डॉलर थी। इससे पहले 24 जुलाई को क्रूड का दाम 100 बैरल प्रति डॉलर पहुंचा था। अगर कच्चे तेल के दाम ऐसे ही बढ़ते रहे तो इससे पेट्रोल-डीजल और LPG के दाम बढ़ सकते हैं।

तेल की कीमतों में इस ताजा उछाल की मुख्य वजह अमेरिका और ईरान के बीच शुरू हुई नई सैन्य झड़पें हैं। यूएस सेंट्रल कमांड ने मंगलवार देर रात बयान जारी कर बताया कि अमेरिकी सेना ने ईरान के 5 तेल टैंकरों को नष्ट कर दिया।

अमेरिका का दावा है कि उसने यह कार्रवाई ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स द्वारा अमेरिकी नौसेना के युद्धपोत पर बैलिस्टिक मिसाइल से किए गए हमले के जवाब में की है।

क्रूड ऑयल बढ़ने की सबसे बड़ी वजह 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' का बंद होना है। ये करीब 167 किमी लंबा जलमार्ग है, जो फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। ईरान जंग के कारण यह रूट अब सुरक्षित नहीं रहा है। खतरे को देखते हुए कोई भी तेल टैंकर वहां से नहीं गुजर रहा।

दुनिया के कुल पेट्रोलियम का 20% हिस्सा यहीं से गुजरता है।

प्रोजेक्ट : पुतिन ने पहली खेप भरने को हरी झंडी दिखाई इससे भारत की होर्मुज पर निर्भरता कम होगी

रूस ने आर्कटिक में तेल निकालना शुरू किया

मॉस्को/नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका और यूरोपीय देशों के प्रतिबंधों के बावजूद रूस ने आर्कटिक इलाके में अपने बड़े 'वोस्तोक ऑयल' प्रोजेक्ट से तेल निकालना शुरू कर दिया है।

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पहली खेप की लोडिंग को हरी झंडी दिखाई। रूस का लक्ष्य 2027 की दूसरी छमाही तक इस प्रोजेक्ट से सालाना 3 करोड़ टन कच्चा तेल निकालना है।

पुतिन का यह प्रोजेक्ट उत्तरी साइबेरिया के तैमिर इलाके में है। इसमें वानकोर व पायाखा सहित कई तेल इलाके जुड़े हैं। प्रोजेक्ट से जुड़ी वानकोरनेफ्ट कंपनी में चार भारतीय सरकारी कंपनियों की संयुक्त हिस्सेदारी 49.9% है। इनमें ओएनजीसी विदेश, इंडियन ऑयल,

ऑयल इंडिया और भारत पेट्रो रिसोर्सेज शामिल हैं।

इस प्रोजेक्ट से निकला तेल 790 किमी लंबी पाइपलाइन से कारा सागर के बुख्ता सेवेर टर्मिनल तक पहुंचाया जाएगा। वहां तेल को टैंकरों में भरकर दूसरे देशों को भेजा जाएगा।

कंपनी के मुताबिक, इस इलाके में करीब 700 करोड़ टन तेल का भंडार हो सकता है। रूस से भारत आने वाले तेल के जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से होकर नहीं गुजरना पड़ेगा। इसलिए इस प्रोजेक्ट को भारत के लिए खाड़ी देशों से तेल का एक नया विकल्प माना जा रहा है।

परियोजना से जुड़े हवाई परिवहन के लिए एयरपोर्ट भी बनाया जा रहा है। इसका रनवे 3,500 मीटर लंबा होगा। इस प्रोजेक्ट

अभी भारत का 50% तेल होर्मुज से आ रहा, रूस के प्रोजेक्ट से आधी रह सकती है निर्भरता

भारत अपनी जरूरत का करीब 50% क्रूड ऑयल होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते मंगाता है। Kpler के मुताबिक, जनवरी-फरवरी 2026 में इस रास्ते से भारत को रोजाना करीब 26 लाख बैरल कच्चा तेल मिला। यह तेल ज्यादातर इराक, सऊदी अरब, UAE और कुवैत से आता है।

नवंबर-दिसंबर 2025 में होर्मुज के रास्ते भारत के कुल क्रूड इंपोर्ट का करीब 40% आता था, जो जनवरी-फरवरी में बढ़कर करीब 50% हो गया। ऐसे में अनुमान है कि रूस के आर्कटिक प्रोजेक्ट के बाद भारत की होर्मुज पर निर्भरता आधी हो सकती है।

में अब तक करीब 4.4 लाख करोड़ रुपए का निवेश हो चुका है। वोस्तोक प्रोजेक्ट बर्फीले इलाके में है। अभी यहां 50 हजार से अधिक लोग काम कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट में 16,280

मशीनें और उपकरण लगाए गए हैं। वोस्तोक के तेल में सल्फर सिर्फ 0.01% से 0.1% है। आसान भाषा में कहें तो एक किलो तेल में 0.1 से 1 ग्राम तक सल्फर होता है। कच्चे तेल में सल्फर जितना कम हो, उसे पेट्रोल-डीजल में बदलना उतना आसान होता है।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ फिर भड़की हिंसा

अलग-अलग घटनाओं में दो हिंदुओं की मौत

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर बढ़ते हमलों के बीच अलग-अलग घटनाओं में एक महिला समेत दो हिंदुओं की हत्या कर दी गई, जिससे देश में अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा को लेकर नई चिंताएं पैदा हो गई हैं। हाल की घटनाओं में से एक में 45 वर्षीय हिंदू सुनार अलिफ चंद्र दत्ता की हत्या कर दी गई। सोमवार रात जब वह नौगांव जिले के महादेवपुर उपजिला में अपनी दुकान से घर लौट रहे थे तो अज्ञात हमलावरों ने धारदार हथियार से उन पर हमला किया। पुलिस और स्थानीय लोगों का हवाला देते हुए बांग्लादेश के अखबार डेली सन ने बताया कि दत्ता रात करीब 8:30 बजे महादेवपुर बाजार में अपनी ज्वैलरी की दुकान से निकले थे और घर जा रहे थे, तभी यह घटना हुई। रात करीब 9 बजे जब वह दुललपारा में अपने घर के पास पहुंचे तो हमलावरों

के एक समूह ने उन्हें रोका और धारदार हथियार से उन पर हमला किया। खबरों के मुताबिक, हमलावरों ने उनसे सोना और 7 लाख बांग्लादेशी टका नकद लूट लिया और फिर वहां से भाग गए। बाद में परिवार के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने घायल दत्ता को बचाया और राजशाही मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की पुष्टि करते हुए, महादेवपुर पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी उमर फारूक ने कहा, हम अभी तक यह पुष्टि नहीं कर पाए हैं कि यह केवल लूटपाट थी या घटना के पीछे कोई अन्य दुश्मनी या मकसद था।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676